तापमान
अधिकतम 43 .0 डिग्री
न्यूनतम 17 .6 डिग्री

हरिभूमि
सोनीपत भूमि
रोहतक, सोमवार, 28 अप्रैल 2025

11 आतंकवाद दुनिया के बड़ा खतरा, इसके खिलाफ..

12 अतिक्रमण पर वार : आज सेक्टर और दिल्ली रोड...

सोनीपत की कालोनियों में 5 हजार से ज्यादा लाइट लगाई जाएंगी

सोनीपत। विधायक निखिल मदान व मेयर राजीव जैन बटन दबाकर स्ट्रीट लाइटों का उद्घाटन करते हुए। फोटो : हरिभूमि

विधायक मदान और मेयर राजीव जैन ने 250 स्ट्रीट लाइटों का उद्घाटन किया

- टेंडर प्रक्रिया पूरी होने के बाद स्ट्रीट लाइट लगनी शुरू हो जाएंगी
- इन कालोनियों में सड़क व पेयजल की भी व्यवस्था की जाएगी

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

राज्य सरकार द्वारा सोनीपत में जीवन विहार एक्सटेंशन, मुरथल रोड पर विकास नगर व कलावती विहार को वैध कालोनियां घोषित किया गया है। इन कालोनियों में 250 से ज्यादा स्ट्रीट लाइटें लगाई गई हैं। रविवार को विधायक निखिल मदान और नगर निगम मेयर राजीव जैन द्वारा बटन दबाकर स्ट्रीट लाइटों का उद्घाटन किया गया। विधायक निखिल मदान ने कहा कि स्ट्रीट लाइटों के साथ-साथ इन कालोनियों में सडक़ व पेयजल की भी व्यवस्था की जाएगी। कालोनियों में सीवेरज लाइन डालने का सर्वे भी करवाया जा रहा है। नगर निगम एवं लोक निर्माण विभाग मिलकर शहर के विकास को गति देंगे। मेयर राजीव जैन ने बताया कि वैध घोषित की गई सभी कालोनियों में 5 हजार स्ट्रीट लाइट लगाने की योजना है। पूरी कालोनी का कंट्रोल एक स्थान पर करके लाइटें आटोमेटिक बंद होने और जलने की वयवस्था की गई है। इसके अतिरिक्त विभिन्न कालोनियों में पांच हजार स्ट्रीट लाइटें मुख्य मार्गों पर सीएफएल बदलकर एलईडी0 लाइटें लगाई गई हैं। इस अवसर पर पार्षद मुकेश सैनी, सीनियर डिप्टी मेयर राजीव सरोहा के पुत्र प्रिंस सरोहा व सुरजीत दहिया भी साथ रहे।

सभी वार्डों में 10 हजार लाइटें लगाई जाएंगी

राजीव जैन ने बताया कि सभी वार्डों में 10 हजार स्ट्रीट लाइट और लगाने का प्रस्ताव है। लाइटें लगाने के लिए निगम एरिया को चार जोन में बांटकर दो-दो करोड़ रुपये के टेंडर जारी किए गए हैं। टेंडर प्रक्रिया पूरी होने के बाद स्ट्रीट लाइट लगनी शुरू हो जाएंगी। उनके अनुसार कलावती विहार की 50 लाख रुपये की लागत से मुख्य सडक़ बनाने के साथ पेयजल लाइन बिछाने के लिए 98 लाख के टेंडर जल्द ही जारी हो जाएंगे।

खबर संक्षेप

चाकू से हमला करने का चौथा आरोपित पकड़ा

सोनीपत। शहर थाना पुलिस ने चाकू से वार कर जानलेवा हमला करने के मामले में चौथा आरोपित गिरफ्तार किया है। आरोपित देवीलाल कॉलोनी निवासी गौरव है। सेक्टर-23 निवासी तेशांत ने 16 मार्च को पुलिस को शिकायत देकर मुकदमा दर्ज कराया था। इस मामले में पुलिस ने आरोपित सौरव, मनीष व दीपांशु को पहले ही गिरफ्तार कर लिया था। अब पुलिस ने आरोपित गौरव को गिरफ्तार किया है। उसे अदालत में पेश कर दो दिन के रिमांड पर लिया है।

सोलर कनेक्शनों से मोटर व केबलें चुराई

गोहाना। चोरों ने गांव न्यात और सरगथल से चार किसानों के खेतों में लगे सोलर कनेक्शनों से मोटर व केबल चोरी कर ली। गांव न्यात के सतनारायण ने सदर थाना की पुलिस को बताया कि उसका खेत गामड़ी व बड़ौता गांव की सीमा के निकट है। उसके खेल से सोलर कनेक्शन से मोटर चोरी कर ली गई। उसके गांव के किसान आर्य और सतीश के यहां से भी मोटर चोरी की गई। गांव सरगथल के मनजीत ने पुलिस को बताया कि उसके खेत में सोलर का कनेक्शन लगा हुआ है। कासंडी से संदीप के खेत से मोटर और ट्रांसफार्मर से तांबे के तार चोरी किए गए। गांव ककाना भादरी में अमित के खेत से मोटर चोरी की गई।

गांव जौली में गली में भैंस बांधने पर पीटा

गोहाना। गांव जौली में गली में भैंस बांधने पर ग्रामीण को पीट दिया। उसे नागरिक अस्पताल से गांव खानपुर कलां स्थित मेडिकल कालेज के लिए रेफर किया गया। सदर थाना में केस दर्ज किया गया। रामनारायण ने पुलिस को बताया कि उसने गांव में डेरी कर रखी है। भैंसों को गली में बांध रखा था। शनिवार को पड़ोसी भान सिंह ने भैंसों को खोल दिया। जब भान सिंह से बातचीत की तो वह गाली देने लगा। उस समय दोनों घर चले गए। बाद में घर से डेरी की तरफ जा रहा था। रास्ते में भान सिंह और उसके बेटे ने उसे रोककर सिर में कस्सी से हमला कर दिया। चचेरा भाई सत्यवान आया तो उसे पीटा।

शनिवार रात लूटपाट करने घुसे थे तीन बदमाश, एक पकड़ा में आया था

ठेका लूटने आए थे, कारिंदों ने स्टोर में किया बंद, बाथरूम में फंदे पर लटका मिला शव

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

जीटी रोड पर प्याऊ मनियारी स्थित शराब के ठेके पर शनिवार रात फिल्मी स्टाइल में वारदात हुई। जिसमें पहले तो तीन बदमाश लूटपाट करने के लिये ठेके में घुसे, जहां पर फायरिंग कर लूटपाट की कोशिश की गई। हालांकि ठेके के कारिंदों ने तीन में से एक बदमाश को काबू कर लिया और पकड़ कर स्टोर में बंद कर दिया। इसके बाद इस युवक का शव बाथरूम में फंदे से लटका मिला। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया और नागरिक अस्पताल में भिजवाया। यहां से शव को मेडिकल कॉलेज खानपुर भिजवाया गया, जहां से सोमवार को शव का पोस्टमार्टम करवाया जाएगा। अब इस मामले में शराब के ठेके के कारिंदों का कहना है कि युवक ने फंदा लगाकर आत्महत्या की है। वहीं दूसरी ओर परिजनों का आरोप है कि युवक की हत्या कर फंदे पर शव को लटकाया गया है। परिजनों ने सीसीटीवी फुटेज की भी मांग की है।उत्तर प्रदेश के जिला संभल के गांव अतरासी निवासी योगेश ने कुंडली थाना पुलिस को बताया कि वह प्याऊ मनियारी स्थित जी-टाउन लिक्विड गोल्ड शराब ठेके पर काम करते हैं। वह एक माह से यहां काम कर रहे हैं। शनिवार रात को करीब नौ बजे वह गेट पर ड्यूटी कर रहे थे, तभी एक बिना नंबर प्लेट की स्कूटी पर सवार तीन युवक ठेके पर पहुंचे। उनमें से दो युवक गेट पर खड़े हो गए और एक युवक हाथ में पिस्तौल लेकर ठेके के अंदर घुस गया। युवक ने अंदर पिस्तौल दिखाकर कैश के बारे में पूछा और जान से मारने की नीयत से ठेके के अंदर काम कर रहे सेल्समैन की तरफ फायर कर दिया। गोली चलते ही ठेके में हड़कंप मच गया और वहां मौजूद ग्राहक घबराकर इधर-उधर भागने लगे। योगेश का कहना है कि उन्होंने साहस दिखाते हुए फायरिंग कर रहे युवक का हाथ पकड़ लिया, जिसमें वह पिस्तौल लिए था। तब अन्य कर्मचारियों शिवम, दीपक, सोमदत्त और मंटू युवक को काबू कर लिया। इस दौरान हाथापाई में युवक के सिर में चोट आ गई। उसे स्टोर रूम में बंद कर बैठा दिया गया। इस बीच दोनों अन्य बदमाश मौके से भाग गए। ठेका कर्मी शिवम ने मामले की जानकारी फील्ड मैनेजर राजेश को दी। स्टोर रूम में बंद बदमाश अचानक उठकर बाहर भागा और स्टोर के साथ बने बाथरूम में घुसकर अंदर से कुंडी लगा ली। बाथरूम के अंदर उसने अपने मुंह पर बांधे कपड़े की सहायता से पाइप के सहारे फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर नागरिक अस्पताल भिजवाया। ठेके के कर्मचारियों ने पुलिस को उस पिस्तौल और फायरिंग में इस्तेमाल हुआ खाली खोल भी सौंप दिए। पुलिस ने ठेके के बाहर से बिना नंबर प्लेट की स्कूटी को बरामद कर लिया। पुलिस जांच में युवक की पहचान गांव मुरथल निवासी मोहित (26) के रूप में हुई। पुलिस ने युवक के परिजनों को अवगत कराया। अस्पताल में पहुंचे परिजनों ने मोहित की हत्या किए जाने का शक जताया है। उनका कहना है कि परिजनों को एक्सीडेंट में मोहित की मौत होने की जानकारी दी थी। उन्होंने सीसीटीवी फुटेज दिखाने की मांग की है। शव का सोमवार को खानपुर में मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम कराया जाएगा। साथ ही वीडियोग्राफी कराई जाएगी। मोहित का पहले भी आपराधिक रिकॉर्ड रहा है। उस पर सोनीपत व झज्जर के थानों में दस मुकदमे दर्ज हैं।

सोनीपत। वह शराब का ठेका जहां वारदाता हुई थी। फोटो: हरिभूमि

सोनीपत। नागरिक अस्पताल में पहुंचें मृतक के परिजन। फोटो: हरिभूमि

युवक का पहले भी आपराधिक रिकॉर्ड रहा

शराब ठेका कारिंदे ने युवक के लूटपाट के लिए घुसने, जानलेवा हमला करने व पकड़े जाने पर फंदा लगाने का आरोप लगाया है। मुकदमा दर्ज कर जांच की जा रही है। युवक का पहले भी आपराधिक रिकॉर्ड रहा है।

-इंस्पेक्टर कृष्ण, थाना प्रभारी कुंडली

मृतक मोहित का पहले भी आपराधिक रिकॉर्ड रहा

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

- प्याऊ मनियारी के पास शराब ठेके पर हुई मौत का मामला
- सोनीपत व झज्जर में 10 मुकद्दमे दर्ज हैं मोहित के खिलाफ

जीटी रोड पर प्याऊ मनियारी के पास स्थित शराब ठेके पर संदिग्ध परिस्थितियों में असमय काल का ग्रास बने मोहित का पहले भी आपराधिक रिकॉर्ड रहा है। उस पर सोनीपत व झज्जर के थानों में दस मुकदमे दर्ज थे। युवक के परिजनों ने उसकी हत्या की आशंका जताते हुए पूरी संतुष्टि के बिना शव लेने से इंकार किया है। हालांकि शव का सोमवार को ही पोस्टमार्टम हो सकेगा। कुंडली थाना पुलिस ने प्याऊ मनियारी स्थित जी-टाउन लिक्विड गोल्ड शराब ठेके के अंदर बाथरूम से युवक का शव फंदे पर लटका मिला है।

मामले में ठेका कर्मी योगेश ने युवक पर लूटपाट की कोशिश, जानलेवा हमला करने व बाद में फंदा लगाकर जान देने का आरोप लगाया है। मोहित का इससे पहले भी आपराधिक रिकार्ड रहा है। पुलिस रिकार्ड के अनुसार मोहित पर दस मुकदमे दर्ज थे। उस पर सबसे पहले वर्ष 2016 में झज्जर के बेरी थाना में हत्या की कोशिश का मुकदमा दर्ज हुआ। अक्तूबर, 2016 में बेरी थाना में अवैध शस्त्र अधिनियम, 2017 में खरखौदा में चोरी, 2017 में झज्जर व बेरी में अलग-अलग हत्या की कोशिश के मुकदमे दर्ज हुए। फरवरी, 2021 में मुरथल व मार्च, 2021 में खरखौदा में लूट के दो-दो मुकदमे व अप्रैल, 2021 में सदर सोनीपत में लूट का एक मुकदमा दर्ज हुआ।

परिजनों की मांग, मिले सीसीटीवी फुटेज और हो निष्पक्ष जांच

नागरिक अस्पताल में पहुंचे मोहित के चाचा अनूप व पिता संजय ने मामले में निष्पक्ष जांच की मांग की। उनका आरोप था जिस बाथरूम में मोहित का शव मिला है उसके लोहे के गेट पर तोड़ने का कोई निशान नहीं। जबकि उन्हें कहा था कि गेट पर हथौड़े से वार कर शव निकाला। परिवार का युवक की मौत सड़क हादसे में होने की जानकारी दी। अस्पताल में पहुंचने पर फंदा लगाने के बारे में कहा। जहां शव लटका मिला है वह स्थान इतनी ऊंचाई पर नहीं जिससे कोई फंदा लगा सके। उनका कहना था कि ठेके के अंदर हुए घटनाक्रम की सीसीटीवी फुटेज दिखाई जाए। जब तक वह संतुष्ट नहीं होंगे वह शव नहीं लेंगे।

सबसे बड़ा भाई था मोहित

ग्रामीणों ने बताया कि मोहित चार भाई-बहनों में सबसे बड़ा था। अभी तक सभी भाई बहन अविवाहित हैं। मोहित का पहले भी आपराधिक रिकॉर्ड रहा है। पिता खेती बाड़ी करते हैं।

साले ने जीजा से मारपीट कर चाकू से वार किया

गोहाना। गांव कथूरा के रोहन ने अपने साले की बहन से प्रेम विवाह कर लिया। इससे वह नाराज है। रोहन का आरोप है कि साला अपने साथी के साथ उसके घर पहुंचा और मारपीट करने के बाद चाकू से वार किया। उसे नागरिक अस्पताल से भगत फूल सिंह राजकीय महिला मेडिकल कालेज के अस्पताल के लिए रेफर किया गया। बरोदा थाना में केस दर्ज किया गया। गांव कथूरा के रोहन ने पुलिस को बताया कि वह मजदूरी करता है। शुक्रवार रात लगभग सवा 11 बजे वह घर पर से रहा था। उसी समय दरवाजा खोलकर एक युवक घर के अंदर आया, जिसने अपना चेहरा कपड़े से ढक रखा था और दूसरा युवक गली में गेट के पास खड़ा हो गया। रोहन के अनुसार उसका साला दीपक गोहाना में राम कालोनी में रहता है। उसने दीपक की बहन पायल से प्रेम विवाह रखा है, जिससे वह खुश नहीं है। उसका साला अपने साथी के साथ उसके घर पर आया था। साले के साथ आए युवक ने ही उसके मुंह पर थप्पड़ मारा और उसके बाद गुप्तांग पर लात मारी। उसके बाद चाकू से वार किया गया। उसने भी बचाव के लिए उस पर हाथ उठाया और चाकू पकड़ लिया। चाकू से उसका हाथ कट गया। आरोपित जान से मारने की धमकी देकर भाग गए। पुलिस एंबुलेंस के साथ पहुंची। उसे उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया।

- बहन पायल से प्रेम विवाह किया था, इससे वह खुश नहीं था

फैक्टरी के बाहर कर्मी की चाकू से गोदकर हत्या

- कुंडली स्थित औद्योगिक क्षेत्र में हुई वारदात, पुलिस ने शुरू की जांच

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

कुंडली औद्योगिक क्षेत्र स्थित फैक्टरी के बाहर कर्मी की चाकू से गोदकर हत्या कर दी गई। बताया जा रहा है कि कर्मी का दो युवकों संग झगड़ा हुआ था। रविवार देर शाम युवक के फैक्टरी से बाहर निकलते ही चाकू से वार दिए गए। घायल को नरेला अस्पताल में लेकर जाया गया, जहां उनकी मौत हो गई।

दोनों का झगड़ा हुआ था

दिल्ली के नरेला स्थित मदरसा रोड निवासी आमिर (24) कुंडली औद्योगिक क्षेत्र स्थित एक फैक्टरी में नौकरी करते थे। वह रविवार को भी फैक्टरी आए थे। बताया जा रहा है कि उनका दो युवकों संग किसी बात को लेकर झगड़ा हो गया था। जिसमें वहां उनका बीच बचाव कर दिया गया। जब वह देर शाम फैक्टरी से बाहर निकले तो उन पर दो युवकों ने चाकू से हमला कर दिया। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। वारदात को अंजाम देकर हमलावर भाग गए। मामले का पता लगते ही फैक्टरी के बाहर लोगों की भीड़ एकत्रित हो गए। घायल को तुरंत नरेला स्थित सत्यवादी राजा हरिश्चंद्र अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां पर उपचार के दौरान युवक ने दम तोड़ दिया। मामले की सूचना कुंडली थाना पुलिस को दी गई है।

पुलिस टीम नरेला के लिए रवाना हो गई। पुलिस का कहना है कि युवक को चाकू मारने व अस्पताल में मौत की जानकारी मिली है। पुलिस टीम परिजनों के बयान दर्ज करेगी। युवक के परिजनों के बयान के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

नेशनल पेंचक सिलाट चैंपियनशिप के लिए तीन खिलाड़ियों का चयन

खरखौदा। लखनऊ में आयोजित होने जा रही 13 वीं सीनियर राष्ट्रीय पेंचक सिलाट चैंपियनशिप के लिए प्रताप स्कूल के तीन खिलाड़ियों अनिकेत, गौतम, व सनी का चयन हुआ है। इनका चयन गोहाना में आयोजित ट्रायल के माध्यम से हुआ। इस उपलब्धि पर द्रोणाचार्य पुरस्कार से सम्मानित ओमप्रकाश दहिया, स्कूल की प्राचार्या दया दहिया, अकादमिक डायरेक्टर डॉ. सुबोध दहिया तथा पेंचक सिलाट कोच जगमेंद्र पंचाल ने तीनों खिलाड़ियों को बधाई दी। ओमप्रकाश दहिया ने कहा कि प्रताप स्कूल में उत्कृष्ट खेल सुविधाएं और एनआईएस क्वालिफाइड कोचेस की उपलब्धता है, जिससे छात्र निरंतर प्रगति कर इंटरनेशनल प्रतियोगिताओं में पदक जीत कर देश व प्रदेश का नाम रोशन कर रहे हैं। डॉ. सुबोध दहिया ने कहा कि स्कूल के खिलाड़ी जहां पदक जीत कर देश व प्रदेश का नाम रोशन कर रहे हैं। कोच जगमेंद्र पंचाल ने विश्वास जताया कि ये खिलाड़ी राष्ट्रीय प्रतियोगिता में भी पदक जीतकर प्रदेश और स्कूल का नाम रोशन करेंगे।

डीसी ने सीएम विंडो, जनसंवाद, एसएमजीटी व समाधान शिविर से संबंधित शिकायतों की समीक्षा की

शिकायतों के समाधान में कोताही बर्दाश्त नहीं : उपायुक्त

- शिकायतों की अधूरी एटीआर भेजने वालों पर की जाएगी कार्रवाई
- जिला उपायुक्त डॉ. मनोज कुमार अधिकारियों को जरूरी निर्देश दिए

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

रविवार को उपायुक्त डॉ0. मनोज कुमार ने सीएम विंडो, जनसंवाद, एसएमजीटी तथा समाधान शिविरों से संबंधित लंबित शिकायतों की समीक्षा के लिए कैंप कार्यालय में अधिकारियों की बैठक ली। उपायुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे समय पर शिकायतों का निपटान करें।

शिकायतों के निपटान को लेकर कोताही बर्दाश्त नहीं होगी। डॉ. मनोज कुमार ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा सीएम विंडो, जनसंवाद, एसएमजीटी पोर्टल तथा समाधान शिविरों की शुरूआत की गई है ताकि लोगों को अपनी शिकायतों का समाधान करवाने का एक मंच मिल सके। इसलिए इन पोर्टलों पर आने वाली शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए समयबद्घता के साथ निवारण करें ताकि लोगों को समस्याओं से राहत मिल सके। उन्होंने कहा कि शिकायत का निवारण करने के साथ ही पोर्टल पर अपनी एटीआर अपडेट करवायें। अगर किसी अधिकारी ने शिकायतों की अधूरी एटीआर भेजी तो उस पर कार्रवाई की जाएगी। अगर पोर्टल में किसी त्रुटि को लेकर मुख्यालय स्तर पर कार्यवाही की जानी है तो उसके बारे में उनको जरूर अवगत करवाएं ताकि उस त्रुटि को जल्द दूर किया जा सके। उन्होंने कहा कि सभी संबंधित अधिकारी प्रतिदिन इन पोर्टलों पर आने वाली शिकायतों की समीक्षा जरूर करें। सोशल मीडिया ग्रीवेंस ट्रेकर (एसएमजीटी) पर आने वाली शिकायतों को भी गंभीरता से लिया जाए और उन्हें तुरंत दूर करवाएं। उन्होंने पिछले वर्षों की लंबित शिकातयों पर नाराजगी जताते हुए कहा कि इन शिकायतों को अगले एक सप्ताह में दूर किया जाए अन्यथा संबंधित अधिकारियों पर कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

सोनीपत। बैठक में अधिकारियों को जरूरी निर्देश देते हुए जिला उपायुक्त डॉ. मनोज कुमार। फोटो : हरिभूमि

डीजीपीएस मशीन उपलब्ध करवाएं

जिला उपायुक्त ने जमीन की पैमाइश संबंधी शिकायतों की समीक्षा भी की। उन्होंने निर्देश दिए कि गेंहू का सीजन खत्म हो चुका है। अब खेत भी खाली हैं। ऐसे में जमीन की पैमाइश करने का यह सबसे अच्छा समय है। उन्होंने बीडीपीओ को निर्देश दिए कि सभी तहसीलों को डीजीपीएस मशीन उपलब्ध करवाई जाएं ताकि पैमाइश से संबंधित शिकायतों का निवारण हो सके।

बैठक मे यह रहे मौजूद

इस मौके पर एसडीएम गोहाना अंजलि श्रोत्रिय, एसडीएम खरखौदा डॉ0. निर्मल नागर, एसडीएम गन्नौर प्रवेश कादियान, सीटीएम डॉ0. अनमोल, नगर निगम के संयुक्त आयुक्त डॉ0. नरेश कुमार, डीडीपीओ जितेन्द्र कुमार, तहसीलदार सोनीपत जीवेन्द्र कुमार, तहसीलदार खरखौदा मनोज कुमार, पीडब्ल्यूडी विभाग से एक्सईएन पंकज गौड सहित सभी बीडीपीओ व अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

साहित्य

जो प्रेम असहिष्णु हो, जो दूसरों के मनोभावों का तनिक भी विचार न करे, जो मिथ्या कलंक आरोपण करने में संकोच न करे, वह उन्माद है, प्रेम नहीं।

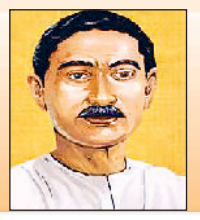

- मुंशी प्रेमचंद

कभी-कभार वह देर रात तक घर लौटती थी। हमें उसके आने का बेसब्री से इंतजार रहता और सड़क की उतराई पर टकटकी लगाए घंटों देखते रहते, परन्तु बुआ नहीं आती। कभी छींका खाली मिला तो भूखे ही बैठे रहते, मौसी से रोटी माँगने की हिम्मत नहीं होती थी। कहते भी तो मौसी झिड़क देती थी-''खाने का ही काम है। यहाँ कोई भंडारा खुला है- जब बने खा लेना।''

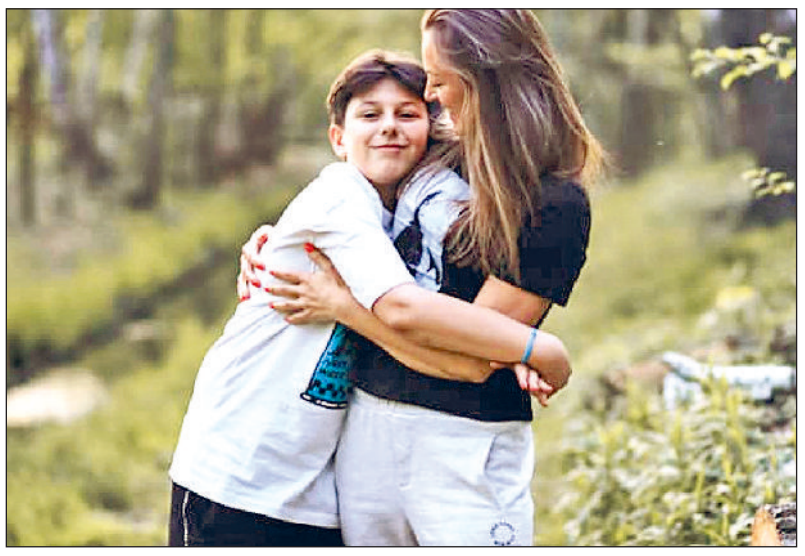

कहानी

डा. सुरेश वशिष्ठ

बुआ

मां की याद उभरती-ख्वाबों की तरह। मैंने उसे कभी देखा नहीं, फिर भी उसकी याद को दिल में सँजोए रहा हूँ। बुआ के पास उसकी एक तस्वीर देखी है, जिसे देखने पर दिल में ख्वाब जाग उठते थे और मैं दुलार की कामना में खोने लगता था। मौसी जब बखेड़ा कर बैठती तब लगता कि माँ होती तो यह होता ही क्यों, मौसी घर में आती ही क्यों? बापू दूसरी शादी करते ही क्यों। होनी को कौन टाल सकता है। माँ मरी तो मौसी आ गई। अपना भाग्य, दोष किसे दूँ? मुझे तो अपना जीवन जीना ही था। माँ के अभाव को बुआ ने महसूस नहीं होने दिया। फिर भी यह लगता ही था कि कहीं कुछ अधूरा है, वीरान है। कोई तड़प जगती और हम बुआ की गोद में मुँह घुसेड़कर रो दिया करते।

मेरी माँ बुआ को बहुत चाहती थी। उसकी मौत के समय मेरी उम्र एक माह की थी। भाभी के बच्चों को पालना ही बुआ ने अपना फर्ज समझा और ससुराल से अपना नाता सदा-सदा के लिए तोड़ लिया। बड़ी दो बहनों की शादी माँ के सामने हो गई थी। कौशल्या बची थी और एक मैं, जिसका बोझ बुआ के बेसहारा कंधों पर था। मौसी जब हमें लेकर कुहराम छेड़ती, तब बुआ अपनी गोद में हमें दुबका लेती और मौसी को भला-बुरा कहती, परन्तु वह थी कि समझती ही नहीं थी। बापू भी मौसी की ही तरफदारी करते थे। बुआ हमारे लिए उनसे कुछ लाने को कह देती तब मौसी बिफर उठती और हमें सौत का गोबर कहकर कोसा जाता था। बापू चुपचाप सब सुनते थे, लेकिन कहने को उनके पास कुछ नहीं होता था, और ना ही मौसी को उन्होंने कभी कुछ कहा।

मौसी के दोनों बच्चे खूब उत्पात मचाते और खुलकर हँसते-खेलते लेकिन हमारे कूदने और हँसने पर पाबन्दी थी। पड़ोस के मनहर काका के घर हमें खुलकर हँसने और खेलने की आजादी थी। वह काकी भी हमें बहुत चाहती थी। यह काकी मेरी माँ की सखी थी। बापू पहले ऐसे नहीं थे। माँ को बहुत चाहते थे और हमें भी बेहद प्यार करते थे, लेकिन यह सब माँ के सामने ही था।...अब जाने क्यों वे हम सभी से दूर रहने लगे थे। बुआ शादी के बीस वर्ष बाद भी माँ नहीं बन पाई थी। शायद कुदरत को यही मंजूर था। यह भी उन्होंने सोच लिया था कि बीस वर्षों में जब औलाद पैदा नहीं हुई तो अब कहाँ से होगी। फूफा दूसरी ब्याहता ले आये थे और उससे उन्हें चार बच्चे प्राप्त हुये। उनका घर-संसार बस गया। बुआ को यही बड़ी खुशी थी। अब शायद हमें ही पाल-पोसकर वह माँ की जगह बैठना मुनासिब समझने लगी थी। हमें रुआँसी आती तो वह छाती में हमें दुबका लेती और कहती--''मैं माँ ही तो हूँ ! पगला-- बौरा गया क्या?''

बुआ और हम सौतेली माँ के मोहताज थे। हालांकि बुआ स्वयं भी कमाती थी, और जुगाड़ नहीं हुआ तो बड़ी बहनों की ससुराल खबर कर देती, परन्तु हमें किसी चीज से निसारा नहीं रखती थी। लाली हमें लुभा-लुभा कर बाजार जाती थी। मौसी की इस लड़की को ना जाने क्यों- हमें लुभाने में बड़ा मजा आता था। मौसी उसे प्यार करती, दुलारती और हमें सुनाती हुई पैसे देकर बाजार भेजती। कहती--'कुछ लेकर खा लेना।' उस समय बुआ का मन गमगीन होने लगता था। कुछ-कुछ बुनता-सा और सूरत रोनी-सी, कभी हमें लगता भी था कि वह रो रही है। कभी वह मौसी को समझाती-''परसी की बहू, बच्चों से यह भेद अच्छा नहीं।...इन्हें भी कुछ ला दिया कर, खिला-पिला दिया कर ! परसी का ही खून है, ऐसा दुराव ठीक नहीं।'' तब मौसी होंठ बिचकाती और 'ऊहूँ' कह कुढ़ पड़ती थी।

हमें स्कूल पहुँचाकर बुआ निकट के ही गाँव में, काम पर चली जाती थी। हमें कह कर जाती- 'तुम्हारे लौटने तक आ जाऊँगी। स्कूल से सीधे घर आना, मौसी कुछ कहे तो जवाब नहीं देना। छींके पर रोटी रखी हैं--पूछकर खा लेना।'

कभी-कभार वह देर रात गए तक घर लौटती थी। हमें उसके आने का बेसब्री से इंतजार रहता और हम सड़क की उतराई पर टकटकी लगाए घंटों देखते रहते, परन्तु बुआ नहीं आती। कभी छींका खाली मिला तो भूखे ही बैठे रहते, मौसी से रोटी माँगने की हिम्मत नहीं होती थी। कहते भी तो मौसी झिड़क देती थी। गुस्से से वह कहती-''खाने का ही काम है। हर समय खाना-खाना, यहाँ कोई भंडारा खुला है- जब बने खा लेना।'' उसका 'ऊहूँ' कहकर कुढ़ना अब तक हमें याद है। दोनों भाई-बहन चुप-चुप खरगोश से तांकते और कुछ बोलते नहीं थे। बुआ काम से लौटकर पूछती-- 'खाना खाया?' तो हम झूठे ही हामी भर देते। कौशल्या कहने लगती- 'देर से क्यूँ आती हो बुआ?' तब वह कहती-'किसी दिन काम देर तक होता है तो देर हो ही जाती है।' मौसी हँस पड़ती और आँखें नचाकर चिढ़ाती--'जनना तो रहा नहीं, पोसने चली है।...मालूम नहीं कहाँ-कहाँ मरती फिरती है।' बुआ केवल घूरती-कुछ कहती नहीं। माँ के मरने से ही बुआ को यह सब सुनना पड़ रहा था। काकी बताती है- 'कभी तेरी माँ ने बुआ को इतना नहीं कहा। इज्जत भी दी और सब्र भी।'और मेरी मौसी, उसे तो बुआ फूटी आँख भी नहीं सुहाती। एक रोज बुआ बहुत उदास दिखाई दी। शायद जी-भर वह रोई भी थी। उस दिन वह खेत में हमें अपने साथ ले गई। जीजी ने पूछा-''बुआ, तुम्हें मौसी क्यों जली-कटी सुनाती है, वह घर क्या तुम्हारा नहीं?'' तिस पर वह बोली--'तू कुछ नहीं सोच...फिर मुझे ही तो कोसती है।' और इतना कहकर, हमें अंक में भर वह दहला देने वाली हूक के साथ रो पड़ी थी। उसे यूँ रोता देख हम भी रोने लगे थे। रोते-रोते जब थक गये, तो बुआ ने साग तोड़ा और पास बैठाकर हमें दिलासा देने लगी-''तुम कुछ ना सोचा करो। सोचने को मैं जो हूँ।...मुन्नू बड़ा होगा तब हमारा अपना घर बनेगा। वहाँ कोई कुछ कहने वाला नहीं होगा।''

मुझे दुलार कर कहने लगी-''तू जल्दी बड़ा हो जा मुन्नू...तुझे नौकरी लगवाऊँगी और ठाठ से तेरा ब्याह करूँगी...तब होगा अपना घर।'' वह सब सहना हमारी नियति थी। हमें अच्छे-बुरे का ख्याल होने लगा था और हम अनचाहे समय को पीछे धकेलने लगे थे। समय को पंख लगाकर उड़ा देने की लालसा थी हमारी।

मैं सोचने लगता था-''नौकरी पर खड़ा हो जाऊँगा तो बुआ को आराम दूँगा। बहुत पीड़ा सही है बुआ ने, बापू तो हमारी खैर-खबर कभी लेते ही नहीं । बुआ ना होती तो क्या होता-सोचकर भी डर लगने लगता है।'' समय बीतता रहा और हम बड़े होते रहे।

कौशल्या का चौहदवाँ साल बीत रहा था। एक रोज उसने कहा--''स्कूल नहीं जाऊँगी। तुम मजदूरी करती हो ना, मैं भी करूँगी।'' तब बुआ बिफरी--''चुपकर ! सीधे स्कूल चली जा, दो किलास पास कर लेव तो तेरा ब्याह रचा दूँ।'' कौशल्या जिद करने लगी। बुआ को गुस्सा आ गया और उसने एक जोरदार थप्पड़ कौशल्या के मुँह पर जड़ दिया। गाल सुर्ख हो गया। उसकी थकी-सी आँखों से चुप-चुप आँसू चूने लगे। बुआ भी सुबक पड़ी। सहमी-सहमी नजरों से कौशल्या उसके रोने को देखती रही और फिर उसके घुटनों में दुबककर सिसकने लगी। जीजी ने फिर मजदूरी पर जाने को कभी नहीं कहा। एक रोज मौसी और बुआ में जोरदार झगड़ा हुआ। मौसी ने हमारे गूदड़ फेंक दिये और बुआ को घर की कच्ची कोठरी में रहने को ढकेल दिया। बापू ने सब देखा पर अनजान बने रहे।

उस शाम, दरवाजा खुला था। भीतर गहरा सन्नाटा व्याप्त था। बाती तक नहीं जली थी। मुझे चिंता हुई-''क्या बुआ घर में नहीं है? बाती क्यूँ नहीं जलाई...कहीं बुआ बीमार तो नहीं?'' मन घबराने लगा था। तेज-तेज कदमों से मैं भीतर पहुँचा। बुआ को आवाज दी।

तब के बाद हम वहीं रहने लगे। बुआ सुबह काम पर जाती और देर संध्या तक घर लौटती। जीजी घर का काम सँभालती। स्कूल जाने तक और स्कूल से लौटने तक सब काम निपटा लेती। कच्ची कोठरी में हम पहले से सुखी थे। वहाँ आनन्द ही आनन्द था। अपना मन और अपनी खुशी थी। गरीब हुये तो क्या हुआ-खुलकर हँस तो सकते थे। रोने पर भी कोई पाबन्दी नहीं थी। अब बुआ को भी हम पहले सी चुप-चुप और गमगीन नहीं देखते थे। लेकिन बुआ काम से थकी-थकी घर लौटती और नींद में कुहुलती थी। समय बीतता गया और जीजी ने दसवीं पास कर ली। तब, एक रोज--बड़ी जीजी व जीजाजी घर आए। उनके साथ दो औरतें भी थीं और एक पगड़ बाँध बुड्ढा भी। वह कौशल्या को देखने आये थे। बड़े जीजा के रिश्तेदार थे और उन्हीं के कहने से बुआ ने यह रिश्ता पक्का किया था। रिश्ता तय हुआ तो बुआ ने राहत की साँस ली। शादी की तारीख पक्की नहीं हुई थी लेकिन बुआ बहुत प्रसन्न थी।

मैं उस वक्त आठवीं में पढ़ रहा था। बुआ का स्वप्न जाग उठने को आतुर था। उसे राहत मिल रही थी कि अगले दो वर्ष में मुन्नू दसवीं पास कर लेगा। कहीं नौकर होगा तो राहत की साँस लूँगी। वह अब खामोश नहीं रहती थी, खूब चिहुँकती थी और खुश रहती थी। कहती थी--''साल-दो साल की मेहनत है, मुन्नू सब सँभाल लेगा। सुख की नींद सोऊँगी और बहू से डटकर सेवा कराऊँगी। मेरा बेटा नौकर होगा तो घर भर को आराम देगा। बुढ़ापा आ गया है, अब आराम की साँस लूँगी। भाभी का कहा पूरा हुआ। मुझे सुख मिलेगा और उसकी आत्मा को शान्ति। परसी ने जो किया-वह भोगे। खैर ! अब दिन ही कितने हैं?''जीजी आज दुल्हन बनी है। आँगन में मंगल-गीत गाये जा रहे हैं। ढोलक, थापी और नाच-आनन्द! रस्म हुई और कौशल्या को डोली-सी सजी कार में लिए उसका दूल्हा अपने गाँव ले गया। गाँव भर ने जीजी को खूब कन्यादान दिया था। मौसी ब्याह में शामिल नहीं हुई और ना ही उसने बापू को हम तक आने दिया। बापू की जगह मनहर काका ने पूरी की। विदाई के समय जीजी काका के गले लगकर जी-भर रोई थी। काका ने कहा था-''रो नहीं बेटी, जिनके पिता नहीं--वे अनब्याही नहीं रहतीं और तेरे पास तो काका है, बुआ है, बड़ी बहनें और भाई है।...तू काहे रोती है।'' पराया धन पराया हो गया। बुआ को जब कभी उसकी याद आती तो वह मुझे गोदी में दुबका लेती और बिस्तर में पड़ रहती।

समय के साथ-साथ बुआ अब बुढ़ा गई थी। उसे चिन्ता थी-''जाने मेरे बाद मुन्नू का क्या होगा, कौन सम्भालेगा इसे? बुढ़ापा आ धमका, अब क्या भरोसा।''मैंने इसी साल मैट्रिक पास किया था। बड़े जीजाजी ने नगर पालिका में जुगाड़ देखा और मुझे नौकरी पर खड़ा कर दिया। बुआ को मानो कारू का खजाना मिल गया था। वह बड़े जीजाजी की तारीफ करती नहीं अघाती थी। वर्षों से जो स्वप्न देख रही थी, वह पूरा होने को था। अब यही तमन्ना बाकी थी कि 'मुन्नू का ब्याह रचा दूँ और सुन्दर-सी बहू मेरे आँगन में दिखाई दे।' बापू के प्रति कभी-कभार उसका विक्षोभ फूट पड़ता था और वह ना जाने उन्हें कितना कुछ कह जाती थी। मेरी माँ को वह अब तक भुला नहीं पाई थी।

मेरा वह इतना ख्याल रखती थी कि जरा-सा मुझे कुछ हुआ नहीं कि हिरनी-सी सहम जाती और अपने ही घर में बीमार-सी लगने लगती। मानो कोई खुशी उसके हाथों से निकली जा रही हो ! मेरे बाहर जाने पर चिन्तित हो उठती थी और मेरे लौटने तक फिक्र में ही कुढ़ती रहती। उस शाम, दरवाजा खुला था। भीतर गहरा सन्नाटा व्याप्त था। बाती तक नहीं जली थी। मुझे चिंता हुई--''क्या बुआ घर में नहीं है? बाती क्यूँ नहीं जलाई...कहीं बुआ बीमार तो नहीं?'' मन घबराने लगा था। तेज-तेज कदमों से मैं भीतर पहुँचा। बुआ को आवाज दी। सन्नाटा और गहरा महसूस हुआ। दीया जलाया तो देखा-लकड़ी के खम्ब से पीठ टिकाए बुआ मौन बैठी है। मन थर-थर काँपने लगा...कुछ शंका भी हुई। छूकर देखा- बुआ नहीं थी। बची थी सिर्फ माटी। सूखा तन-निढ़ाल। आँखें दरवाजे पर लगी थी, पूरी खुली हुई आँखें... मेरी ही बाट जोहती। हथेली से पलकों को मूँदा और बुआ की गोद में सिर रख फूट पड़ा। चीखने लगा मन। बुआ-बुआ पुकारता मैं तड़फने लगा था...लेकिन मेरी बुआ ने आँखें खोलकर एक बार भी मुझे नहीं देखा। बुआ कहूँ या माँ, जिसकी अर्थी को कन्धों पर उठाए चल रहा हूँ। पीछे रह गया बहनों का आंतर्नाद...मन के गह्नर में बुआ की जिन्दा छवि उभर आई जिसमें उसे कहते सुना-''मुन्नू सब सँभाल लेगा...सुख की नींद सोऊँगी मैं...बहू से डटकर सेवा कराऊँगी।'' मन चीख पड़ा-''बुआ..!'' लेकिन बुआ तो नहीं बोली..।

कविता

कृष्ण लाल' गिरधर '

वक्त को वक्त नहीं लगता

वक्त चलता है अपनी चाल से उसे वक्त नहीं है।
मानव चलता है अपनी चाल से वह कमबख्त नहीं है।
वक्त ना देखे ऊंचा नीचा क्या वह सख्त नहीं है?
मानव भरा ऊंच-नीच से क्या वह कमबख्त नहीं है?

वक्त को वक्त नहीं है पर रहता है सावधान।
मानव वक्त के आगे झुकता खो देता है पहचान।
वक्त वक्त में वक्त बदलता, ना छोड़ेगा अपनी चाल।
मानव से गिरगिट शर्माए बदल बदल कर है बदहाल।

वक्त सभी को वक्त है देता, पहचान कराता वक्त पर।
उस मानव को सबक सिखाएं जो जीता दूजे के हक पर।
वक्त को वक्त नहीं लगता, वो वक्त पर बतलाता है।
जो मानव वक्त चूक गए , वक्त लौट ना आता है।

वक्त नहीं गुलाम किसी का अपनी इसकी है रफ्तार ।
वक्त के आगे सभी नतमस्तक, करता सभी से सम व्यवहार।
वक्त को वक्त नहीं लगता, छुड़वा देता है घर बाहर।
वक्त को वक्त नहीं लगता, पहना देवे खुशियों के हार।

मंथन

पं . कमलकांत भारद्वाज

धैर्यविहीन युवा

बुजुर्ग समाज का आईना होते हैं । मैंने उनसे काफ़ी अनुभव और शिक्षाप्रद बातें सुनी। शेर ही जंगल का राजा क्यों हैं जबकि हाथी उससे कई गुना ताक़तवर और शक्तिशाली है। लेकिन शेर धैर्यवान है। एक रोज मैं अपने कुछ दोस्तों के साथ चर्चा कर रहा था कि आज की युवा पीढ़ी यानी 21वीं सदी के बच्चों के पास सभी सुख-सुविधाएं हैं जो कि आधुनिक युग के अनुसार परिपूर्ण है। लेकिन फिर भी आत्महत्या, रिश्तों में दरार और समस्याओं का तुरन्त समाधान चाहिए ऐसी स्थिति देखने को मिलती हैं। इन सभी का एक ही कारण है वो है धैर्यहीनता,सहनशीलता में कमी या सब्र न होना। अगर जीवन में कुछ करना है और निरन्तर पानी की तरह बहते रहना है तो युवा पीढ़ी को सहनशील या धैर्यवान बनना पड़ेगा। धैर्य आपकी क्षमता को प्रदर्शित करता हैं आप, धैर्यवान बनेंगे तो आप शक्तिशाली बनेंगे जंगल के राजा शेर की तरह जो भरपेट होने के बाद शिकार नहीं करता सब्र करता हैं।

कविता

प्रोफ़ेसर ज्योति राज

प्रभात

नयन का नयन से नमन हो रहा है
जमीं पर ऊषा आगमन हो रहा है

परत दर परत चाँदनी कट रही है
वो देखो निशा का गमन हो रहा है

बढ़ी जा रही हौले हौले अरुणिमा
नये दिन का कैसा सृजन हो रहा है

मधुर मुक्त आभा सुगंधित पवन है
लगता है कहीं पर हवन हो रहा है

समय ये सराबोर उल्लास से है
चहूँ ओर उजला सदन हो रहा है

नया दिन हो जैसे नये गान जैसा
हृदय 'राज' कितना मगन हो रहा है

मुक्तक

वीरेंद्र मधुर

सीमाएं

आतंकी रूबरू रहा होगा,
जो मरा वो हिंदू रहा होगा।
मधुर जो पूछता कि धर्म क्या ,
वहीं खून का बिंदू रहा होगा।।

तनावों से भरी सीमाएं हैं ,
हलक में घुसी चिंताएं हैं।
आग के संवाद से मधुर,
आतंक की भागी हवाएं हैं।।

अब चलेंगी मिसाइल ऐसा धुआं होगा,
दुश्मन के पेट में अब लंबा सुआ होगा।
देश में आक्रोश मधुर मासूमों के बदले,
आतंकियों के वास्ते सूखा कुआं होगा।।

प्रसिद्ध साहित्यकार और कवि डॉ. शिवकांत शर्मा का आधुनिक युग में साहित्य के सामने आ रही चुनौतियों को लेकर कहना है कि हमारे साहित्य का बहुत ही गौरवशाली इतिहास रहा है, जो आज के दौर में अनेक कारणों से उपेक्षित है। इसका कारण सोशल मीडिया की विस्तारित लोकप्रियता, बढ़ते पाश्चात्य प्रभाव, मनोरंजन प्रधान मानसिकता आदि है, जिसकी वजह से समाज के बड़े हिस्से को स्तरीय व संस्कारित साहित्य से विमुख किया है।

साक्षात्कार

ओ.पी पाल

साहित्य के बिना समाज की कल्पना संभव नहीं : डॉ. शिवकांत शर्मा

भारतीय संस्कृति और सामाजिक परंपराओं को इस आधुनिक युग में जीवंत रखने की चुनौतियों से निपटने के लिए लेखक, कवि, गजलकार और साहित्यकार अपनी अलग-अलग विधाओं में साहित्य संवर्धन करने में जुटे हैं। साहित्य से जुड़े विद्वानों में ऐसे ही साहित्यकारों में डा. शिवकांत शर्मा भी शुमार हैं, जो समाज को नई दिशा देने के मकसद से चिकित्सक होने के साथ साहित्यिक साधना करते आ रहे हैं। उन्होंने सामाजिक सरोकार, समसामयिक चिंतन, व्यवस्था से जूझते मानवीय संघर्ष व भारतीय मूल्यों के संरक्षण व संवर्धन जैसे गंभीर मुद्दे अपने लेखन के मूल भाव में समाहित किये हैं। हरिभूमि संवाददाता से हुई बातचीत में डा. शिवकांत शर्मा 'शिव' ने कुछ ऐसे अनछुए पहलुओं का जिक्र किया है कि साहित्य के बिना समाज की कल्पना करना बेमानी है।

हरियाणा के भिवानी में पेशे से चिकित्सक एवं साहित्यकार व कवि के रूप में लोकप्रिय डॉ. शिवकान्त शर्मा का जन्म हिसार जिले के गांव पेटवाड़ में मदनगोपाल शास्त्री और शशि देवी के घर में 23 जून 1958 को हुआ। उनके दादा पंडित रामप्रसाद उस समय के सुप्रसिद्ध लोककवि रहे हैं, जिन्होंने अनेक खंडकाव्य लिखे और वे सनातन के प्रबल प्रचारक व लोकप्रिय भजनोपदेशक भी थे। इनके पिता मदन गोपाल शास्त्री भी हरियाणवी संस्कृति के पुरोधा के रूप में हरियाणा के शीर्षस्थ साहित्यकारों में शुमार रहे हैं, जिनकी हिन्दी व हरियाणवी में 10 पुस्तकें सभी लेखन विधाओं में प्रकाशित हुई हैं। हरियाणा साहित्य अकादमी द्वारा उन्हें पंडित लखमीचंद सम्मान (2009) व महाकवि सूरदास सम्मान(2013) से विभूषित किया गया। परिवार से मिली साहित्यिक विरासत को आगे बढ़ा रहे डा. शिवकांत शर्मा भी बचपन से ही इस क्षेत्र में अभिरुचि रखने लगे थे। हिंदी गीत, हरियाणवी गीत, कविता, दोहे और ग़ज़लों के साथ कहानी लेखन में भी गहन अभिरुचि रखने वाले डा. शिवकांत शर्मा ने अपनी पहली रचना एक कविता के रूप में महज 16 साल की आयु में लिख डाली थी। मेडिकल कॉलेज में प्रवेश के बाद शुरू हुई उनकी साहित्यिक यात्रा अनवरत जारी है। उनकी सर्वप्रिय विधा गीत लेखन है। अपनी विलक्षण प्रतिभा के बल पर एमबीबीएस, एमडी की शैक्षणिक डिग्रियां हासिल करके भिवानी में एक अस्पताल का संचालन करके वरिष्ठ छाती रोग विशेषज्ञ के रूप में स्वास्थ्य सेवाएं दे रहे हैं। बकौल डा. शिवकांत शर्मा, साहित्य जगत की शुरुआत में उन्होंने नीरज के गीतों से प्रेरित होकर अनेक गीत व कुछ कविताएं लिखीं, जिनका प्राणतत्व प्रेम भाव व प्रणय केंद्रित रहा है। उनकी रचनाए कॉलेज मैगजीन में भी छपती रही। वर्ष 1985 में उनकी नियुक्ति भिवानी के सरकारी अस्पताल में हुई, जिसके बाद उन्हें अनेक साहित्यिक अनुष्ठानों में भाग लेने का मौका मिलने लगा। यहां के शायरों के सम्पर्क व प्रभाव में आकर उनकी ग़ज़ल लेखन में रुचि और गहराती चली गई, हालांकि उनका गीत लेखन भी निरंतर चलता रहा। साहित्यिक मंच मिलने से अपनी रचनाएं सुनाने व और गुणी मित्रों की रचनाएं सुनने से लेखन में सुधार व निखार आया। उन्होंने बताया कि प्रारंभिक प्रेम भाव केंद्रित रचनाओं के बाद उनके लेखन के मूल भाव में मुख्यतयाः सामाजिक सरोकार, समसामयिक चिंतन, व्यवस्था से जूझते मानवीय संघर्ष व भारतीय मूल्यों के संरक्षण व संवर्धन जैसे गंभीर विषय रहे हैं। वहीं पिछले कुछ समय से हरियाणवी ग़ज़ल में विशेष रुचि होने पर उन्होंने कुछ ग़ज़लें ठेठ हरियाणवी भाषा में भी लिखी और साहित्यिक मंचों से सुनाए जाने पर उन्हें लोकप्रियता मिली, जिन्हें सराहना भी मिली। डा. शिवकांत ने आकाशवाणी, हिसार दूरदर्शन, जनता टीवी आदि चैनलों पर आयोजित विभिन्न मुशायरों व कवि सम्मेलनों में सहभागिता की है और अखिल भारतीय 'ग़ज़ल कुम्भ' में कई बार ग़ज़ल पाठ किया। इनका कहना है कि जहां तक युवा पीढ़ी में साहित्य के प्रति अनुराग पैदा करने का सवाल है उसके लिए स्कूल स्तर पर उन्हें अपनी समृद्ध सांस्कृतिक व साहित्यिक धरोहर से परिचित करवाना आवश्यक है। स्कूल व कॉलेज स्तर पर कविता लेखन प्रतियोगिताएं और कार्यशाला आयोजित कर युवा पीढ़ी को प्रोत्साहित करना होगा। वहीं आकाशवाणी व दूरदर्शन से युवा केंद्रित साहित्यिक गतिविधियां बढ़ाने की आवश्यकता है।

प्रकाशित पुस्तकें

वरिष्ठ साहित्यकार एवं कवि डा. शिवकांत शर्मा की प्रकाशित पुस्तकों में हरियाणा साहित्य अकादमी के सौजन्य से एक ग़ज़ल संग्रह 'दर्द की दहलीज़ से' प्रमुख रूप से सुर्खियों में है, जिसमें 84 ग़ज़लें शामिल हैं। जबकि उनका एक ग़ज़ल संग्रह व गीत संग्रह प्रकाशनाधीन हैं। ग़ज़ल संग्रह 'दर्द की दहलीज़ से' की भूमिका वरिष्ठ शायर ज़मीर दरवेश ने लिखी है। उनके लिखे गीत ग़ज़लें और अन्य रचनाएं राष्ट्रीय पत्र, पत्रिकाओं के अलावा काव्य संग्रहों में संकलित होकर प्रकाशित हुई हैं।

डॉ . शिवकांत शर्मा

पुरस्कार व सम्मान

साहित्य के क्षेत्र में श्रेष्ठ उपलब्धियों के लिए डॉ. शिवकान्त शर्मा को हरियाणा साहित्य अकादमी ने उनके ग़ज़ल संग्रह 'दर्द की दहलीज़ से' को सर्वश्रेष्ठ कृति सम्मान से नवाजा है। वहीं वे राज्यकवि उदयभानु 'हंस' कविता सम्मान से भी अलंकृत हो चुके हैं। उन्हें विशिष्ट साहित्यिक अलंकरण, भिवानी रत्न, ग़ज़ल-गौरव सम्मान, पं. देवराज संधीर स्मृति सम्मान, पंडित माधव मिश्र भिवानी गौरव सम्मान जैसे अनेक पुरस्कारों से नवाजा जा चुका है।

व्यक्तिगत परिचय

नाम : डॉ. शिवकान्त शर्मा 'शिव'
जन्मतिथि : 23 जून 1958
जन्म स्थान : गांव पेटवाड़ (हिसार)
शिक्षा : एम.बी.,बी. एस, एम.डी.
संप्रति : चिकित्सक,साहित्यकार एवं कवि

अनछुए पहलुओं की दास्तां 'हाजरा का बुर्का ढीला है'

पुस्तक : हाजरा का बुर्का ढीला है
लेखिका : डॉ. तबस्सुम जहां
मूल्य : 17 5 रुपये
प्रकाशक : शिवना प्रकाशन

पुस्तक समीक्षा

डॉ. अल्पना सुहासिनी

हाजरा का बुर्का ढीला है, डॉ. तबस्सुम जहां द्वारा लिखित एक रोचक एवं पठनीय कहानी संग्रह है। इस कहानी संग्रह में समाज के छुए-अनछुए पहलुओं पर बड़ी ही गहनता और मार्मिकता के साथ प्रकाश डाला गया है। संवाद शैली ऐसी है, कि कहानी को एक बार पढ़ना शुरू किया जाए, तो पूरी पढ़े बिना नहीं रहा जाता।

समाज के विभिन्न पहलुओं पर लिखी गई कहानियां दिल को छू जाती हैं और यह सोचने पर मजबूर कर देती हैं कि इतने समृद्ध कहे जाने वाले समाज में कुछ चीजें आज भी ज्यों की त्यों बनी हुई हैं। सभी कहानियां आरम्भ से लेकर अंत तक पाठक को बांधे रखती हैं। चूंकि कहानीकार स्वयं स्त्री हैं तो उनकी कहानियों में स्त्री पक्ष की दुविधाएं और विसंगतियां भी बखूबी उभरकर आई हैं। यह तबस्सुम जहां का पहला कहानी संग्रह है जिसमें 12 कहानियां हैं। शीर्षक कहानी, हाजरा का बुर्का ढीला है, पाठकों को सबसे ज़्यादा प्रभावित करती है। इस कहानी की विशेषता है संवादात्मक शैली। लेखिका ने अपनी कहानियों को बोझिलता से पूर्णतः बचाए रखा है और उनमें सरसता का पुट बनाए रखा है जिसके चलते कहानियाँ भीतर तक उतरती चली जाती हैं। इनकी कहानियों की जो दूसरी विशेषता हमारा ध्यान खींचती है वह है आंचलिकता का पुट। आधुनिक दौर में लेखन से आंचलिकता कहीं दूर जा रही हैं लेकिन ये कहानियाँ उस आंचलिकता को अपने में समेटे हैं जिस कारण उनकी सौंधी महक पाठकों को प्रफुल्लित, आनंदित करती है। मौत बेआवाज़ आती है, नामक कहानी में अपनी रोजी रोटी की जुगत में लगे मजदूरों की तकलीफ़, उनके दर्द, उनकी टीस की अभिव्यक्ति जिस देशज भाषा में हुई है उस प्रयोग ने कहानी को आमजन की कहानी बना दिया है। 'गुरु दक्षिणा' कहानी की अगर बात करें तो वह कहानी भी कहीं न कहीं शिक्षा जगत के अंधेरे पक्षों पर रोशनी डालती है। 'अपने अपने दायरे' कहानी में लेखिका ने मिसेज़ गिल की पूरी जिंदगी को 20 गोले के ज़रिए ऊकेर कर रख दिया है। उनकी, 'सच्चा भक्त' कहानी वर्तमान असहिष्णु दौर में शीतल बयार जैसी लगती है।

लेखिका को हिंदू मुस्लिम दोनों संस्कृतियों की नब्ज़ पता है, वे उनके भीतर तक पैठी हैं। इन संस्कृतियों में और इसी कारण उन्होंने जो भी लिखा वह अधिक विश्वनीय दस्तावेज है। संग्रह की अन्य कहानियां झूठा ईश्वर, प्रेम और समर्पण, कला और भीख, शहर वापसी भी अपने रोचक क्लेवर से पाठकों का ध्यान अपनी ओर खींचती हैं।

खबर संक्षेप

अक्षय तृतीया को हुआ था त्रेतायुग का आरंभ : मिश्रा

सोनीपत। इस वर्ष बैसाख माह शुक्ल पक्ष की तृतीय को 30 अप्रैल के दिन अक्षय तृतीया मनाई जाएगी। इसे अत्यंत शुभ व फलदायी माना जाता है। इसी दिन त्रेतायुग का आरंभ हुआ था। इस दिन किए गए कार्यों का फल अक्षय अर्थात कभी न समाप्त होने वाला होता है। इसलिए इस दिन विशेष महत्व होता है। यह जानकारी आचार्य मनमोहन मिश्रा ने दी। आचार्य के अनुसार अक्षय का शाब्दिक अर्थ है जिसका कभी क्षय न हो अथवा जो सदा स्थायी रहे। अक्षय तृतीया तिथि अक्षय, अखंड और सर्वव्यापक है। चारों युगों में त्रेतायुग का आरंभ इसी तिथि को हुआ था। 30 से ही चारों धामों में से एक धाम बद्रीनारायण के पट खुलेंगे। अक्षय तृतीया के दिन लोग नए आभूषण, वाहन, संपत्ति या अन्य निवेश करते हैं ताकि उनके जीवन में समृद्धि बनी रहे।

पहलगाम में मारे गए लोगों की आत्मा शांति के लिए हवन

रोहतक। भारत स्वाभिमान न्यास रोहतक द्वारा आज रविवार को सैनिक पार्क सेक्टर 4 रोहतक एसोशिएशन मे साधारण बैठक मे पहलगाम मे शहीद भारतीय की आत्मा की शांति के लिए वैदिक हवन मे योग समिति द्वारा आहुति डाली गई सभी ने एक मत से आतंकवाद को समापत करने के लिए जो भी लड़ाई करनी हा करो हम भारत सरकार के साथ है। इस मौके पर दया आर्य ,जगबीर आर्य ,सुभाष सांगवान ,सुनीता, सीमा ,महक व संगीता उपस्तिथ रही ।

परीक्षा पास करने पर 87 बच्चों का लिया साक्षात्कार

रोहतक। माता धनपति देवी चैरिटेबल ट्रस्ट में निशुल्क पढ़ाए जाने के लिए आयोजित प्रवेश परीक्षा में पास होने वाले छात्र-छात्राओं का साक्षात्कार डीके जैन की देख रेख में आयोजित किया गया। जिसके आधार पर पांचवी कक्षा से दसवीं कक्षा तक के 87 छात्र-छात्राओं को ट्रस्ट परिवार में सम्मलित किया गया। मीडिया प्रभारी राजीव जैन ने बताया कि संजय गुप्ता व अनिल गुप्ता द्वारा इन बच्चों को ट्रस्ट परिवार में शामिल करवाया गया। अब ट्रस्ट के द्वारा इन छात्र-छात्राओं को निशुल्क किताबें, ड्रैस, स्टेशनरी उपलब्ध कराई जाएगी।

हमले का प्रधानमंत्री के नेतृत्व की सरकार पाक को मुंह तोड़ जवाब देगी

पहलगाम हमले में मारे 28 पर्यटकों को मोमबत्ती जलाकर भावभीनी श्रद्धांजलि

भाजपा नेता मास्टर सत्यनारायण आंतिल के कार्यालय में दी श्रद्धांजलि

पहलगाम में पर्यटकों पर आतंकवादियों ने बेहद ही कायराना तरीके से हमला किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| राई

भाजपा नेता मा.सत्यनारायण आंतिल आंतकवादियों के द्वारा निर्मम हत्या करने पर मोमबत्ती जलाकर भावभीनी श्रद्धांजलि देते हुए ।

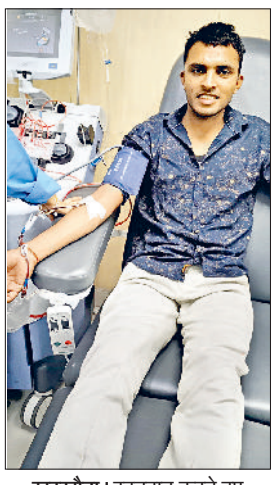

खरखौदा। रक्तदान करते हुए रक्तवीर नवीन खांडा।

बहालगढ़ स्थित भाजपा नेता मास्टर सत्यनारायण आंतिल के कार्यालय में रविवार को पहलगाम कश्मीर हमले में मारे गए 28 लोगों की आंतकवादियों के द्वारा निर्मम हत्या करने पर मोमबत्ती जलाकर भावभीनी श्रद्धांजलि दी । आंतिल ने कहा कि इसमें किसी ने अपना बेटा खोया, किसी ने अपना भाई, किसी ने अपना जीवन साथी और किसी ने अपना पिता खोया। यह भयानक मंजर उन बहनों ने, उन बच्चों ने अपनी आंखों के सामने देखा, मैं उन्हें सेल्यूट करता हूं। मैं भगवान से प्रार्थना करता हूं कि परमपिता परमात्मा इन सभी दिवंगत आत्माओं को अपनी श्री चरणों में जगह दे और उन परिवारों को इस दुख को सहन करने की शक्ति देना। पहलगाम में हुए आतंकी हमले का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की सरकार पाकिस्तान को मुंह तोड़ जवाब देगी। अब आतंकवादियों और पाकिस्तान को सबक सिखाने का काम करेंगी। मास्टर सत्यनारायण आंतिल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने इस घटना के बाद सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति की बैठक में पांच ऐतिहासिक फैसले लिए हैं। इसके अलावा भी और कठोर कदम उठाए जा रहे हैं। मास्टर सत्यनारायण आंतिल ने कहा कि जम्मू कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर आतंकवादियों ने बेहद ही कायराना तरीके से हमला किया है जोकि बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है, आतंकवादियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस बुजदिल और घिनौने कृत्य को अंजाम देने वालों पर कार्रवाई होगी, क्योंकि केंद्र की मोदी सरकार अपराध के सख्त खिलाफ है। मास्टर सत्यनारायण आंतिल ने कहा कि पाकिस्तान गुंडागर्दी करते हुए लगातार आतंकवाद को बढ़ावा दे रहा है और छोटी-छोटी हरकतें करने से बाज नहीं आता। अब पाकिस्तान को कड़ा जवाब देने का समय आ गया है। इस मौके पर काफी संख्या में लोग मौजूद थे।

शहीदो की याद में किया रक्तदान

खरखौदा। पहलगाम में नृशंस नरसंहार के दिवंगतों की आत्मा की शांति के लिए तिरंगा युवा समिति के अध्यक्ष एवं आर्यावत ट्रस्ट के पदाधिकारी नवीन खांडा ने उत्तराखंड के काशीपुर निवासी केला देवी के लिए जीवन का 32 वां रक्तदान किया। इस पुण्य कार्य के माध्यम से उन्होंने उन दिवंगत आत्माओं को श्रद्धासुमन अर्पित किए और देशभक्ति व मानव सेवा का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत किया। रक्तवीर नवीन खांडा ने कहा कि रक्तदान महादान है और शहीदों तथा निर्दोष बलिदानियों की स्मृति में रक्तदान करना हमारी नैतिक जिम्मेदारी है। यह हमारी भावभीनी श्रद्धांजलि है जो उनके प्रति सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त करती है। तिरंगा युवा समिति और आर्यव्रत ट्रस्ट ने सभी देशवासियों से अपील की है कि वे अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए मानवता की सेवा में रक्तदान जैसे पुनीत कार्यों में बढ़-चढ़कर भाग लें।

सोनीपत। श्रद्धांजलि सभा को संबोधित करते वक्ता। *फोटो : हरिभूमि*

आतंकवाद दुनिया में बड़ा खतरा सभी देश एकजुट हों

- पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

दि हरियाणा अनुसूचित जाति, पिछड़ा वर्ग व अल्पसंख्यक परिषद द्वारा रविवार को शहर के डॉ. भीमराव अंबेडकर पार्क में श्रद्धांलिल समारोह आयोजित किया गया।

समारोह में संगठन के सदस्यों ने दो मिनट का मौन धारण करके जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले में मारे गए निर्दोष लोगों की आत्मिक शांति की कामना करते भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी। संगठन के प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष हवा सिंह बोहत ने कहा कि पहलगाम में हुआ आतंकी हमला एक जघन्य अपराध है। आतंकवादी ऐसी घटनाओं को अंजाम देकर देश की एकता और अखंडता पर चोट करना चाहते हैं जो अति निंदनीय है। हमारा पड़ौसी देश पाकिस्तान आतंकवादियों का सरगना है। इस घटना को अंजाम देने वाले आतंकवादियों और पाकिस्तान में बैठे उनके सरगनाओं को सख्त से सख्त सजा दी जाए। संगठन के प्रदेश उपाध्यक्ष मुखत्यार खान ने कहा कि आतंकवादी अपने मनसूबों में कभी कामयाब नहीं हो पाएंगे। समारोह में प्रदेश महासचिव प्रदीप चोपड़ा, सरदार जसविंद्र सिंह, सलीम खान, सुरेश बिडलान, जोगेंद्र कुमार, प्रेम सिंह, मीना, सीमा शर्मा और विरेंद्र शर्मा सहित अन्य नागरिकों ने पाकिस्तान मुर्दाबाद के नारे लगाए।

जिले में 3 लाख 91 हजार 109 मीट्रिक टन गेहूं की खरीद

सोनीपत। जिले की विभिन्न मंडियों में गेहूं की आवक व खरीद तेज हो गई है। शनिवार देर सांय तक जिला की विभिन्न 24 मंडियों व खरीद केंद्रों में 3 लाख 91 हजार 109 मीट्रिक टन गेहूं की आवक हो चुकी है। इस गेहूं को विभिन्न एजेंसियों द्वारा खरीद लिया गया है। उपायुक्त डॉ. मनोज कुमार ने बताया कि जिला की विभिन्न मंडियों में पहुंचे 3 लाख 91 हजार 109 मीट्रिक गेहूं में से खाद्य एवं आपूर्ति विभाग द्वारा 1 लाख 18 हजार 204 मीट्रिक टन, हैफेड द्वारा 1 लाख 61 हजार 507 मीट्रिक टन, हरियाणा वेयर हाउसिंग द्वारा 82 हजार 919 मीट्रिक टन और फूड कार्पोरेशन आफ इंडिया (एफसीआई) द्वारा 12 हजार 984 मीट्रिक टन गेहूं की खरीद की गई है। बरोदा खरीद केन्द्र पर 3995 मीट्रिक टन, मैंसवाल खरीद केंद्र पर 4680 मीट्रिक टन, बिचपड़ी खरीद केन्द्र पर 1244 मीट्रिक टन, दाताौली खरीद केन्द्र पर 5170 मीट्रिक टन, फरमाणा खरीद केन्द्र पर 11380 मीट्रिक टन गेहूं की खरी की गई है।

साप्ताहिक अभियान में संगठन ने 19 पौधे रोपे, पुरानों में दिया पानी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

गोहाना। पौधारोपण करते संगठन के सदस्य। *फोटो : हरिभूमि*

समाज कल्याण संगठन ने गोहाना को ग्रीन सिटी बनाने के अपने साप्ताहिक अभियान में रविवार को विभिन्न किस्मों के 19 पौधे रोपे। पौधारोपण शहर के रोहतक गेट में पंजाबी कालोनी में किया गया। पौधारोपण की अध्यक्षता संगठन के अध्यक्ष आनंद जांगड़ा ने की।

संगठन के सदस्यों ने नवरोपित पौधों को ट्री गार्डों में संरक्षित किया गया ताकि उनको बेसहारा पशु न चर सकें। इस अभियान में नए पौधे रोपने के साथ पुराने पौधों की देखभाल भी की गई। पुराने पौधों की निराई-गुड़ाई के साथ टैंकर की सहायता से सिंचाई भी की गई। पौधारोपण में धर्मबीर पांचाल, कर्मवीर, राजू वाल्मिकी, मयंक, प्रवीन, बलजीत जांगड़ा, जगदीश, मनोज प्रजापति और मुकेश ने अपनी सेवाएं दी और नागरिकों को पौधारोपण करने के लिए जागरूक किया।

कमल ने मंदिर में पूजा-अर्चना कर देशवासियों की सुख-समृद्धि और शांति के लिए प्रार्थना की

- खाटू श्याम बाबा मंदिर में कांग्रेस नेता ने की प्रार्थना, समिति ने किया स्वागत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

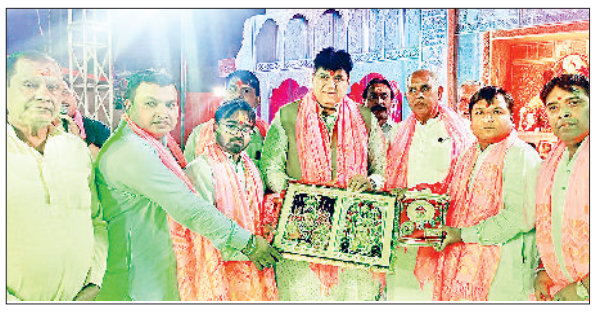

कांग्रेस नेता कमल दिवान का स्वागत करते समिति के पदाधिकारी।

रोहतक रोड स्थित श्री खाटू श्याम धाम मंदिर में आयोजित विशेष कार्यक्रम में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं समाजसेवी कमल दिवान पहुंचे। मंदिर ट्रस्ट के सदस्यों ने उनका शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया। कमल दिवान ने मंदिर में पूजा-अर्चना कर देशवासियों की सुख-समृद्धि और शांति के लिए प्रार्थना की। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने हाल ही में हुए आतंकी हमले में मारे गए निर्दोष लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनकी आत्मा की शांति के लिए विशेष प्रार्थना भी की। दिवान ने कहा कि आतंकवाद मानवता के लिए सबसे बड़ा खतरा है और इसके खिलाफ सभी को एकजुट होकर संघर्ष करना चाहिए। कमल दिवान ने कहा कि खाटू श्याम बाबा की कृपा से देश में शांति, भाईचारा और विकास का मार्ग प्रशस्त होगा। उन्होंने मंदिर समिति द्वारा किए जा रहे सेवा कार्यों की सराहना की और भविष्य में भी हर संभव सहयोग देने का आश्वासन दिया। मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष ने बताया कि श्री खाटू श्याम धाम में नियमित रूप से धार्मिक एवं सामाजिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, जिनमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु भाग लेते हैं। कार्यक्रम के समापन पर श्रद्धालुओं के लिए भंडारे का आयोजन भी किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु भी मौजूद रहे।

देवेंद्र मां काली मंदिर समिति के अध्यक्ष बने

प्रमोद गुप्ता ने लेखा-जोखा पेश करने के बाद अपने पद से इस्तीफा दिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

नवनियुक्त अध्यक्ष देवेंद्र कुच्छल को सम्मानित करते समिति प्रतिनिधि

कामी रोड स्थित प्राचीन श्री चंडी मां महाकाली मंदिर सिद्धपीठ समिति के अध्यक्ष पद के लिए रविवार को चुनाव करवाया गया। इसके लिए मुरथल रोड स्थित मौजीराम धर्मशाला में बैठक आयोजित हुई जिसमें अध्यक्ष पद के चुनाव का निर्णय लेने के बाद देवेंद्र कुच्छल को सर्वसम्मति से मंदिर समिति के अध्यक्ष का कार्यभार सौंपा गया।

बैठक की अध्यक्षता दि महाराजा अग्रसेन समाज कल्याण समिति के अध्यक्ष टीकाराम मित्तल ने की। बैठक में मंदिर समिति के अध्यक्ष प्रमोद गुप्ता ने लेखा-जोखा पेश करने के बाद अपने पद से इस्तीफा दिया और नए अध्यक्ष के लिए देवेंद्र कुच्छल के नाम का प्रस्ताव रखा। उनके इस प्रस्ताव का समिति के सदस्यों ने अनुमोदन करते देवेंद्र कुच्छल को नए अध्यक्ष पद की जिम्मेवारी सौंप दी। बैठक में मेयर राजीव जैन, संजय सिंगला, एडवोकेट अरविंद मित्तल, अशोक गर्ग, अशोक खत्री, मेहताब खत्री, रामकुमार बल्लू, चरण सिंह चौहान, प्रवीण कुछछल बाबा धाम, सुभाष बंसल, अमित कुछछल, विनोद कुच्छल, राजेन्द्र टानू, सूजेश कुच्छल, नरेश शर्मा, दिनेश कुच्छल, राजेंद्र खत्री, राजेंद्र खेड़ी गैस, राज चराया, दीक्षित नासा, आईडी मुंजाल, अजय तुषीर, अजय गर्ग बबलू, कैलाश कुच्छल, मोनू विधान, पवन जिंदल, रघु व्यास, राजेश गुप्ता, सुनील गुप्ता, अरुण जैन और महेंद्र गुप्ता मौजूद रहे।

मूक बधिर बच्चों के साथ मनाया जन्मदिन

सोनीपत। न्यू कोर्ट रोड पर श्रवण व वाणी केंद्र में राहुल जैन ने अपने बेटे आर्श जैन का जन्मदिन मूक बधिर बच्चों के साथ मनाया। यह कार्यक्रम सेफ इंडिया फाउंडेशन के तत्वाधान में आयोजित किया गया। सहयोगी संस्था सेफ इंडिया फाउंडेशन से प्रोजेक्ट इंचार्ज अविनाश सेठी और बलराज वशिष्ठ ने बताया कि संस्था पिछले वर्ष से स्कूल के विद्यार्थियों के लिए सुबह दोपहर ओर सायं भोजन, स्कूल ड्रेस, कापी किताब एवं अनेकों सहयोग कर रही है। संस्था के चेयरमैन वाई के त्यागी व प्रधान संजय सिंगला व स्कूल के इंचार्ज सविंद्र चोपड़ा ने बताया कि ऐसे बच्चे आपको समाज मे कही भी दिखाई दें तो उन्हें शीघ्र इस स्कूल मे दाखिल करवाएं ताकि उन बच्चों की जिंदगी संवर सके। इस अवसर पर रोहित गुप्ता, नितिन जैन, निधि गुप्ता एवं नेहा जैन उपस्थित रहे।

सोनीपत। राहुल जैन मूक बधिर बच्चों के साथ अपने बेटे आर्श जैन का जन्मदिन मनाते हुए।

खरखौदा। खजूर का पौधा रोपित करते सत्येन्द्र दहिया।

अमावस्या पर रोपे खजूर के पौधे

खरखौदा। सोनीपत के वरिष्ठ अधिवक्ता सत्येंद्र सिंह दहिया ने अमावस्या के अवसर पर ढीक्कन वाला आश्रम, गांव सिसाना में खजूर के पौधे लगाए।उन्होंने इस अवसर पर कहा कि खजूर का पेड़ पंछियों की पहली पसंद होता है, क्योंकि इस पर बनाए गए घोंसले पंछियों को अधिक सुरक्षा और शांति प्रदान करते हैं। उन्होंने बताया कि खजूर के पेड़ों पर बने घोंसले मनुष्य और पशुओं की पहुँच से दूर रहते हैं, जिससे पक्षी निर्भय होकर अपना जीवन व्यतीत कर सकते हैं। सत्येंद्र सिंह दहिया ने आश्रम परिसर में पंछियों के लिए अन्न और जल की व्यवस्था भी की, ताकि पर्यावरण और जीव-जंतुओं के संरक्षण का संदेश दिया जा सके। इस नेक कार्य के लिए आश्रम सेवादार समिति ने सत्येंद्र सिंह दहिया को आश्रम का सम्मान चिन्ह और पवित्र पटका पहनाकर सम्मानित किया। अवसर पर नवीन खांडा, ईश्वर, रामचन्द्र, श्रीपाल, जय चन्द आदि मौजूद रहे।

कार्यक्रम विधायक के कैंप कार्यालय में पीएम के मन की बात कार्यक्रम का सफल आयोजन

कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक प्रधानमंत्री के मन की बात सुनी

कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री के मन की बात के अनुसरण का संकल्प लिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| राई

मीडिया प्रभारी योगेश शर्मा के नेतृत्व में कार्यकर्ता प्रधानमंत्री के मन की बात सुनते हुए ।

राई हलका विधायक एवं पूर्व मंत्री कृष्णा गहलावत के कैंप कार्यालय में प्रधानमंत्री के मन की बात कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। विधायक के निर्देशन एवं उनके मीडिया प्रभारी योगेश शर्मा के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री के मन की बात के अनुसरण का संकल्प लिया। विधायक कृष्णा गहलावत के कैंप कार्यालय में नियमित तौर पर प्रधानमंत्री के मन की बात कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल होते आ रहे हैं। इस बार भी कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक प्रधानमंत्री के मन की बात सुनी। विधायक कृष्णा गहलावत ने संदेश प्रेषित किया कि प्रधानमंत्री के मन की बात राष्ट्र हित को समर्पित रहती है। प्रधानमंत्री की हर बात को हमें अपना संकल्प बनाते आगे बढ़ना चाहिए। विधायक कृष्णा गहलावत ने अपने कार्यकर्ताओं को प्रोत्साहित किया कि वे प्रधानमंत्री के विकसित भारत के सपने को साकार करने के लिए कदम आगे बढ़ायें। इस दौरान विधायक ने पहलगाम में हुए आतंकी हमले की एक बार पुनः कड़े शब्दों में निंदा की। उन्होंने कहा कि यह हमला मानवता पर किया गया हमला है। बेगुनाह लोगों पर कायराना हमला इंसानियत पर किया गया हमला है, जिसका मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा। मीडिया प्रभारी योगेश शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री के मन की बात कार्यक्रम के प्रति कार्यकर्ताओं में उत्साह बना रहता है। हमें मन की बात कार्यक्रम की प्रतीक्षा रहती है।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे, जिनमें प्रमुख रूप से दीपक खरब, अमरजीत, शीलू, अमित, नरेंद्र, दीपांश, छोटू पतला, जयतीर्थ, सुंदर कौशिक, विपिन मनोली, प्रमोद, दीपक मुकीमपुर,अंकित, कृष्णय कुमार, ओमप्रकाश, रूपक, राजेश बहालगढ़,अमित बहालगढ़ आदि शामिल थे।

राष्ट्र हित ही सर्वोपरि: आजाद सिंह

- प्रधानमंत्री के मन की बात कार्यक्रम को कार्यकर्ताओं के साथ सुना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर

गन्नौर। वरिष्ठ नेता एवं प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य व लोकसभा संयोजक आजाद सिंह नेहरा कार्यक्रम को सुनते हुए । *फोटो :हरिभूमि*

भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य व लोकसभा संयोजक आजाद सिंह नेहरा ने गन्नौर विधानसभा के गांव राजलू गढ़ी के बूथ संख्या 173 पर प्रधानमंत्री के मन की बात कार्यक्रम को कार्यकर्ताओं के साथ सुना। इसके बाद संबोधित करते भाजपा नेता आजाद सिंह नेहरा ने कहा कि प्रधानमंत्री के मन की बात राष्ट्र हित को समर्पित रहती है। प्रधानमंत्री की हर बात को हमें अपना संकल्प बनाते हुए आगे बढ़ना चाहिए। राष्ट्र हित से बढ़कर दूसरा कोई हित हमारे लिये नहीं होना चाहिए। राष्ट्र ही सर्वप्रथम होना चाहिए। राष्ट्र के उत्थाढन और कल्याण के लिए हमें अपना सर्वस्व बलिदान करने को उत्सुक रहना चाहिए। नेहरा ने कहा कि वे प्रधानमंत्री के विकसित भारत के सपने को साकार करने के लिए कदम आगे बढ़ायें। नेहरा ने पहलगाम में हुए आतंकी हमले की एक बार पुनः कड़े शब्दों में निंदा की। उन्होंने कहा कि यह हमला मानवता पर किया गया हमला है। बेगुनाह लोगों पर कायराना हमला इंसानियत पर किया गया हमला है, जिसका मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा। आंतक और आतंकियों के लिए कोई स्थामन नहीं है। आतंक के खिलाफ पूरे विश्व को एकजुट होकर कार्रवाई करनी चाहिए।

खबर संक्षेप

सोनीपत। समारोह में मंच पर अतिथि, संस्थान के पुराने विद्यार्थी और स्टाफ सदस्य। फोटो : हरिभूमि

एलुमनी मीट में पुराने विद्यार्थियों ने बांटे अनुभव

सोनीपत। राजकीय बहुतकनीकी संस्थान, सोनीपत में रविवार को एलुमनी मीट का आयोजन किया गया। समारोह में संस्थान के पुराने विद्यार्थियों ने एक दूसरे के साथ अपने अनुभव बांटे और पुराने यादों को ताजा किया। एलुमनी मीट की अध्यक्षता संस्थान के प्राचार्य प्रवेश कुमार ने की। प्रमुख अतिथियों में हरियाणा तकनीकी शिक्षा विभाग के अपर निदेशक अनिल सहरावत, एलुमनी एसोसिएशन के अध्यक्ष महेंद्र प्रसाद सहगल और उपाध्यक्ष हरीश ढींगरा ने दीप प्रज्वलित करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया। समारोह में विद्यार्थी सांस्कृतिक कार्यक्रमों में खूब झूमे। इस समारोह मूल उद्देश्य आपसी संवाद व सहयोग को बढ़ावा देना रहा। समारोह में तेजपाल रावत, राजबीर मलिक, पंकज मलिक, राजीव वर्मा, सुनील गागट, लतीश छाबड़ा, प्रीति गिरधर, जोगेश दहिया, दिनेश सिंह मोर, अमित, विकल्प, दीपक, आकाश गुप्ता और कुणाल सहित अन्य स्टाफ सदस्य व गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

घर में घुसकर बुजुर्ग की पिटाई, बेटे-बहु पर आरोप

खरखौदा। गांव बरोणा में घर के विवाद में बुजुर्ग ने बेटे और बहू पर पिटाई का आरोप लगाया है। पीड़ित ने थाना खरखौदा में शिकायत देकर मुकदमा दर्ज कराया है। गांव बरोणा निवासी सोना देवी ने पुलिस को बताया कि वह अपने बेटे के साथ अपने घर में रहती है। घर उनके ही नाम पर है। सोना देवी ने आरोप लगाया कि बेटा घर को लेकर कई बार उनके साथ झगड़ा करने के साथ पिटाई भी कर चुका है। अब 17 अप्रैल को बेटा और उसकी बहु ने एक बार फिर उनके साथ झगड़ा किया। जब वह गली में निकलीं तो दोनों ने उनका रास्ता रोक लिया और डंडे से हमला किया। शोर सुनकर दूसरी पुत्रवधू और बेटा बीच-बचाव करने पहुंचे तो आरोपियों ने उनके साथ भी मारपीट की। सोना ने आरोप लगाया कि मारने की धमकी दी गई है।

यातायात व्यवस्था सुधारने के लिए पुलिस ने चलाया विशेष अभियान

अतिक्रमण पर वार : आज सेक्टर और दिल्ली रोड की है बारी

- शनिवार को दुकानदारों और रेहड़ी-पटरी वालों को मिली थी सख्त चेतावनी
- शनिवार को बस अड्डा से लेकर सब्जी मंडी क्षेत्र तक चलाया गया था अभियान
- सोमवार को सेक्टर 14 और दिल्ली रोड से हटाया जाएगा अतिक्रमण
- सड़कों से अतिक्रमण हटाया तो हल हुई जाम की समस्या

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

सोनीपत शहर में वर्षों से जाम और अव्यवस्थित यातायात की समस्याओं से जूझती जनता के लिए राहत की खबर है। यातायात पुलिस ने जाम का सबसे बड़ा कारण बन रहे अतिक्रमण के खिलाफ अभियान शुरू किया है। जिसके तहत शनिवार को सब्जी मंडी, मुरथल रोड, बीज मंडी और बस अड्डा क्षेत्र में अवैध अतिक्रमण के खिलाफ एक विशेष अभियान चलाया गया। अब सोमवार को सेक्टर 14 और दिल्ली रोड पर विशेष अभियान चला कर अतिक्रमण हटवाया जाएगा। बता दें कि शनिवार को अतिक्रमण के खिलाफ अभियान छेड़ने के बाद सड़कों पर व्यवस्था लौटती नजर आई। इस मुहिम का नेतृत्व यातायात प्रभारी निरीक्षक देशराज ने किया। पुलिस बल के साथ जैसे ही दस्ते ने इलाकों में दबिश दी, दुकानदारों और रेहड़ी-पटरी वालों में हड़कंप मच गया। सड़क किनारे अवैध रूप से लगाए गए ठेले, रेहड़ियां, और दुकानों के बाहर फैला सामान खुद ही हटाया जाने लगा। अभियान के बाद जब सड़कों से अतिक्रमण हटा, तो स्थानीय नागरिकों ने राहत की सांस ली। बता दें कि बस अड्डा से लेकर सब्जी मंडी तक के क्षेत्र में वाहनों का अत्याधिक दबाव है। वहीं इस हिस्से में दुकानदारों द्वारा अतिक्रमण भी किया गया था। जिसकी वजह से सड़कों पर वाहनों का हर समय जाम लगा रहता है। विशेषतौर पर शाम के समय सब्जी मंडी जाने वाले लोगों की संख्या बढ़ जाती है। जिसकी वजह से जाम बढ़ता है।

सोनीपत। सड़क पर अतिक्रमण के खिलाफ अभियान के तहत कार्रवाई करते पुलिस कर्मी। फोटो : हरिभूमि

जाम लगा रहता है

अतिक्रमण की वजह से सड़कों पर वाहनों का जाम लगा रहता है। इसी वजह से अतिक्रमण के खिलाफ अभियान चलाया गया है। शनिवार को सब्जी मंडी से बस स्टैंड तक कार्रवाई की गई थी। सोमवार को सेक्टर 14 और दिल्ली रोड पर अभियान चलाया जाएगा।
-इंस्पेक्टर देसराज, प्रभारी, यातायात सोनीपत शहर।

दुकानदारों के अलावा रेहड़ी पटरी वालों की समस्या

बता दें कि कई वर्षों से सब्जी मंडी और आसपास के मुख्य मार्गों पर दुकानदारों ने फुटपाथ और सड़क के हिस्से पर सामान फैलाकर कब्जा जमा लिया था। रेहड़ी-पटरी वालों को भी सड़क पर खड़ा कर किराया वसूला जाता था, जिससे वास्तविक सड़क की चौड़ाई सिकुड़ती जा रही थी। परिणामस्वरूप, रोजाना जाम, ट्रैफिक में फंसे एम्बुलेंस, और सड़क हादसे आम हो गए थे। शनिवार की कार्रवाई के बाद काफी राहत महसूस की गई थी। अब सोमवार को सेक्टर 14 और दिल्ली रोड पर भी कार्रवाई की जाएगी। यहां भी दुकानदारों के अतिक्रमण के अलावा किराया लेकर रेहड़ी पटरी लगवाने का भी खेल चल रहा है।

क्यों जरूरी है अतिक्रमण हटाना

- सड़क की चौड़ाई घटने से ट्रैफिक जाम और हादसे बढ़ते हैं।
- एम्बुलेंस और आपातकालीन सेवाओं का रास्ता बाधित होता है।
- ग्राहकों को दुकानों तक पहुंचने में कठिनाई होती है।
- सार्वजनिक स्थानों पर कब्जा करना कानूनन अपराध है।
- साफ-सुथरी और व्यवस्थित सड़कें शहर की पहचान बढ़ाती हैं।

ये हैं यातायात पुलिस की चेतावनियां

- भविष्य में अतिक्रमण दोहराने पर कानूनी कार्रवाई होगी।
- अवैध पार्किंग पर भारी जुर्माना और वाहन जब्ती संभव।
- ऑटो चालकों को निर्धारित स्टैंड पर ही वाहन लगाने के निर्देश।
- रेहड़ी-पटरी संचालकों को सड़क किनारे व्यापार न करने की सख्त हिदायत।

सोनीपत। सम्मेलन को संबोधित करते हुए वक्ता। फोटो : हरिभूमि

सरकार की गलत नीतियों से बढ़ रही गरीबी : सोलंकी

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

- छोटूराम धर्मशाला में आशा वर्कर यूनियन का 5वां सम्मेलन सम्पन्न

मजदूर संगठन सीटू से सम्बन्धित आशा वर्कर यूनियन का 5वां जिला सम्मेलन रविवार को छोटू राम धर्मशाला सोनीपत में सम्पन्न हूआ। सम्मेलन की संयुक्त अध्यक्षता अनीता और प्रमिला ने की। मंच संचालन पूनम छवि और सुदेश ने किया। कामरेड श्रद्धानंद सोलंकी ने कहा कि सरकार की गलत नीतियों से देश में गरीबी और बेरोजगारी बढ़ रही है। सरकार की नीतियों से कर्मचारी, मजदूर और व्यापारी हर वर्ग परेशान है। युवा नशे के दलदल में फंसते जा रहे हैं। सीटू के वरिष्ठ नेता आनंद शर्मा ने कहा कि 1 मई को अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस पर सोनीपत जिले के हजारों कच्चे व पक्के कर्मचारी, परियोजना, आंगनबाड़ी, मीड डे मील वर्कर्स और क्रैच वर्कर्स के साथ सफाई कर्मचारी व कौशल रोजगार के तहत लगे कर्मचारी सोनीपत में अग्रसेन चौक में इक_ा होकर प्रदर्शन करेंगे। 20 मई को राष्ट्रीय ट्रेड यूनियनों के आह्वान पर सीटू की तमाम यूनियनें राष्ट्रीव्यापी हड़ताल में शामिल होंगी। सम्मेलन में देशराज नैन, सुनील दत्त, शिलक राम मलिक, मुकेश कुमार व राज्य प्रधान सुरेखा ने अपने विचार व्यक्त किए। समारोह में छवि को अध्यक्ष, सविता मलिक को उपाध्यक्ष, सुनीता को सचिव, अनीता को कोषाध्यक्ष, रेखा व पूनम को सह सचिव, सुमन व प्रोमिला सहित 9 सदस्यीय सचिव मंडल व 21 सदस्यों की जिला कमेटी का चुनाव सर्वसम्मति से किया गया।

ताश के पत्तों के साथ जुआ खेलते हुए काबू

गोहाना। शहर थाना गोहाना की पुलिस ने ड्रेन आठ के निकट से छह लोगों को ताश के पत्तों के साथ जुआ खेलते हुए काबू किया। आरोपितों के विरुद्ध केस दर्ज किया गया। हवलदार सुनील पुलिस की टीम के साथ पानीपत चुंगी के पास गश्त कर रहे थे। उन्हें सूचना मिली कि कई युवक ड्रेन आठ के निकट ताश के पत्तों से जुआ खेल रहे हैं। पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने मौके से दरियापुर बस्ती के ललू, गंगाराम, मुकेश, करतार, पुजारी व प्रेमपाल को गिरफ्तार किया। आरोपितों से नकदी व ताश के पत्ते बरामद किए गए।

मोहम्मदाबाद में प्लॉट की दीवार गिराने के विवाद में पीटा

हरिभूमि न्यूज ⏭ खरखौदा

गांव मोहम्मदाबाद में प्लॉट की दीवार गिराने को लेकर दो पक्ष आपस में भिड़ गए। आरोप है कि गाली-गलौज के बाद दो भाइयों ने दूसरे पक्ष के ग्रामीण पर लोहे की रॉड और डंडे से हमला कर दिया। पीड़ित ने थाना खरखौदा में मुकदमा दर्ज कर लिया है। ग्रामीण सतपाल ने पुलिस को बताया कि वह 24 अप्रैल को दोपहर बाद घर के सामने प्लॉट में सब्जी की फसल में सिंचाई कर रहे थे। इसी दौरान गांव का ही काला अपना ट्रैक्टर लेकर आया और प्लॉट की दीवार को टक्कर मार दी। जिससे दीवार गिर गई। जब उन्होंने उसे रोकने की कोशिश की तो वह गाली-गलौज करने लगा। साथ ही धमकी दी कि ट्रैक्टर चढ़ा दूंगा। सतपाल का आरोप है कि कुछ देर बाद जब वह प्लॉट की ओर जा रहे थे तो काला और उसका भाई मोना हाथों में लोहे की रॉड और डंडे लेकर आए और उनके साथ मारपीट शुरू कर दी। शोर सुनकर सतपाल की पत्नी भी वहां पहुंची, लेकिन आरोपियों ने रास्ता रोकते हुए उन पर भी हमला कर दिया। मारपीट में सतपाल के सिर पर चोट लगी और हाथ की अंगूली टूट गई। आरोप है कि आरोपियों ने धमकी दी है कि अगर शिकायत की तो जान से मार देंगे। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

वर्तनी कौशल प्रतियोगिता में छात्रों ने दिखाई प्रतिभा

- प्रधानाचार्या नीरा मुद्गल और उप प्रधानाचार्या निधि जैन उपस्थित रहे

हरिभूमि न्यूज ⏭ राई

खेवड़ा स्थित जीडी गोयंका इंटरनेशनल स्कूल में वर्तनी कौशल कक्षा विधि का आयोजन किया गया। इस गतिविधि के अंतर्गत कक्षा तीसरी से पांचवी कक्षा तक के विद्यार्थियों ने भाग लिया। सभी विद्यार्थी ने उत्साह के साथ प्रतियोगिता में भाग लिया। प्रथम व अंतिम चरण कक्षा में ही आयोजित किया गया । प्रत्येक कक्षा के छात्रों ने मुश्किल सवालों से लेकर परिभाषा तक बहुत अच्छे ढंग से प्रस्तुत की। कठिन सवालों के जवाब देते हुए कक्षा तीसरी से लारण्या और अद्युत ने प्रथम स्थान प्राप्त किया । कक्षा चौथी से तूषिका और वरदान खत्री ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। कक्षा पांचवी से कुंजल और क्षितिज वर्मा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया । इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधक योगेश जिंदल, प्रधानाचार्या नीरा मुद्गल और उप प्रधानाचार्या निधि जैन उपस्थित रहे। प्रधानाचार्या द्वारा विजेता विद्यार्थियों को बधाई दी गई। उन्होंने बताया कि इस प्रकार की गतिविधियों से बच्चों में प्रतिस्पर्धा व शुद्ध वर्तनी लिखने का विकास होता है।

राई। वर्तनी कौशल कक्षा विधि प्रतियोगिता के विजेता छात्राओं के साथ शिक्षिका ।

गन्ने का भुगतान न करने पर आंदोलन की चेतावनी दी

गोहाना। गांव आहुलाना स्थित चौ. देवीलाल सहकारी चीनी मिल द्वारा गन्ने का 2024-25 का पेराई सत्र खत्म हुए लगभग दो माह बीतने के बावजूद पूरा भुगतान नहीं किया है। इस पर भारतीय किसान यूनियन चढ़ूनी के कथूरा खंड के अध्यक्ष कृष्ण मलिक ने एतराज जताया। उन्होंने कहा कि मिल अब भी किसानों के गन्ने के लगभग 28 करोड़ दबाए बैठा हुआ है। जल्द भुगतान न करने पर किसान आंदोलन के लिए मजबूर हो सकते हैं। कृष्ण मलिक ने कहा कि आहुलाना स्थित चीनी मिल में गन्ने का पेराई सत्र पांच मार्च को पूरा हो गया था। उन्होंने कहा कि जब चीनी मिल का पेराई शुरू हुआ था तब शुभारंभ पर प्रदेश के सहकारिता मंत्री डा. अरविंद शर्मा बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे थे। तब उन्होंने कहा था कि गन्ना मिल में डालने के बाद किसानों को एक सप्ताह में भुगतान किया जाएगा। मिल द्वारा 31 जनवरी 2025 के बाद डाले गए गन्ने का अब तक भुगतान नहीं किया गया है। उन्होंने कहा कि अधिकारियों ने मंत्री के वादे का भी ख्याल नहीं रखा और किसानों के लगभग 28 करोड़ रुपये दबाए बैठे है। किसानों अब धान की रोपाई की तैयारी शुरू करनी है। किसानों को खेत और उसके बाद पौध तैयार करने के लिए खर्च की जरूरत पड़ेगी। मिल प्रशासन जल्द बकाया का भुगतान करे, नहीं तो किसान आंदोलन करने पर मजबूर होंगे।

- भाकियू का आरोप: चीनी मिल की तरफ गन्ने के 28 करोड़ रुपये बकाया

हवन में वेद मंत्रों संग पूर्णाहुति से गूंजा सत्संग समारोह

- आर्य समाज मॉडल टाऊन में 7 दिवसीय दिव्य आध्यात्मिक सत्संग का समापन

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

मॉडल टाऊन सोनीपत में आर्य समाज के 7 दिवसीय दव्य आध्यात्मिक सत्संग समारोह का रविवार को समापन हो गया। समारोह का समापन हवन में वेद मंत्रों के साथ पूर्णाहुति से हुआ। वेदों के मंत्रों से सत्संग समारोह गूंज उठा। समारोह में वक्ताओं ने वेदों का महत्व समझाया और नागरिकों से वेदों की और लौटने का आह्वान किया। समापन सत्र की अध्यक्षता संस्था के अध्यक्ष अर्जुन देव दुरेजा ने की। मार्गदर्शन वैदिक प्रवक्ता वेदनिष्ठ आचार्य उषर्बुध जी महाराज का रहा। समारोह के आचार्य सतन देव सत्यम द्वारा अथर्ववेद शतकम के मन्त्रों का पाठ किया गया। मुख्य अतिथि मेयर राजीव जैन रहे। समारोह में भजनोपदेशक आचार्य भानु प्रकाश शास्त्री ने प्रभु भक्ति, पारिवारिक, सामाजिक, देशभक्ति और महर्षि स्वामी दयानन्द सरस्वती की जीवनी पर आधारित गीतों से श्रद्धालुओं के मन को खूब लुभाया। वैदिक प्रवक्ता हरिचन्द स्नेही ने मंच संचालन किया। वक्ताओं ने नागरिकों से आह्वान किया कि वे वेदों की ओर लौटें। समारोह में आर्य समाज मॉडल टाऊन ने कार्यकर्ताओं को सम्मानित किया। इस अवसर पर मंजू आर्या, महासचिव ज्ञानेश्वर त्यागी, प्रमोद मल्होत्रा, मुकेश रावत, सुदर्शन आर्य, सुमन भगत, गुलशन निझावन, प्राचार्या गीता सहगल, महेश जुनेजा, प्रमोद मल्होत्रा, सविता मल्होत्रा, ज्ञान ठाकुर व विनोद सहगल उपस्थित रहे।

सोनीपत। सत्संग में प्रवचन सुनते हुए श्रद्धालुगण।

अधिकारी पर मानसिक व शारीरिक प्रताड़ना का आरोप

महिला थाना में शिकायत पर केस दर्ज

हरिभूमि न्यूज ⏭ गोहाना

- महिला शिक्षक ने अपने ही विभाग के अधिकारी पर आरोप लगाया

एक राजकीय विद्यालय की महिला शिक्षक ने शिक्षा विभाग के अधिकारी पर मानसिक व शारीरिक रूप से प्रताड़ित करने का आरोप लगाया। शिक्षक का पूर्व में एक विद्यालय की डीडीओ थी, तब अधिकारी उसके पास रात के 10 बजे फोन करके उसे परेशान करता था और कई बार मैसेज भी भेजता था। इस बारे में उसने पति को बताया। पति ने अधिकारी से बातचीत करके देर रात उसकी पत्नी को फोन न करने को कहा। इसके बाद अधिकारी ने स्कूल में आकर उसे धमकाया था। महिला थाना में शिक्षक की शिकायत पर केस दर्ज किया गया।

महिला शिक्षक ने दो बार सीसीएल के लिए आवेदन किया था लेकिन उसकी फाइल मंजूरी के लिए उच्च अधिकारियों के पास नहीं भेजी। उसके बाद अधिकारी ने उसे कहा कि फोन कर लेगा। बाद में अधिकारी उसे परेशान करने लगा। 2023 में अधिकारी एक शिक्षक के निलंबन के संबंध में जांच करने आए थे। तब अकेले में बुलाकर कहा कि मेरे अनुसार काम करेगी तो उसका ख्याल रखा जाएगा। उसे धमकाया गया। उसने फोन करके पति को स्कूल बुला लिया था और पुलिस को शिकायत करने को कहा। तब अधिकारी ने उसने पहले ही पुलिस के पास जाकर उनकी शिकायत कर दी। बाद में शिकायत वापस ले ली थी। इससे पहले भी अधिकारी एक महिला लिपिक को परेशान कर चुके थे। अधिकारी दूसरी महिला शिक्षकों को भी परेशान करता है। मामले की गंभीरता से जांच करने की मांग की।

गांव जौली में गली में भैंस बांधने पर पीटा

गोहाना। गांव जौली में गली में भैंस बांधने पर ग्रामीण को पीट दिया। उसे नागरिक अस्पताल से गांव खानपुर कलां स्थित मेडिकल कालेज के लिए रेफर किया गया। सदर थाना में केस दर्ज किया गया। रामनारायण ने पुलिस को बताया कि उसने गांव में डेरी कर रखी है। उसने भैंसों को गली में बांध रखा था। शनिवार को पड़ोसी भान सिंह ने उसकी भैंसों को खोल दिया। जब उसने भान सिंह से बातचीत की तो वह गाली देने लगा। उस समय दोनों अपने-अपने घर चले गए। रामनारायण के अनुसार बाद में वह घर से डेरी की तरफ जा रहा था। रास्ते में भान सिंह और उसके बेटे ने उसे रोक लिया और मारपीट करने लगे। उसके सिर में कस्सी से हमला किया गया। उसका चचेरा भाई सत्यवान आया तो उससे डंडे से पीटा। शोर मचाने पर पड़ोसी आए तो आरोपित धमकी देकर चले गए।

शिक्षक और गैर शिक्षकों ने राज्यपाल को भेजा ज्ञापन

सोनीपत। दीनबंधु छोटू राम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (विवि), मुरथल में शिक्षकों व गैर शिक्षक कर्मचारियों ने रविवार को राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन भेजा। आरोप है कि विवि में विवि एक्ट का उलंघन करके अनियमितताएं बरती जा रही हैं। ज्ञापन में राज्यपाल से कमेटी गठित करके निष्पक्ष जांच की मांग की गई है। विवि के शिक्षकों और गैर शिक्षक कर्मचारियों ने डीक्रूटा अध्यक्ष डॉ. अजय कुमार व आनंद कुमार के नेतृत्व में राज्यपाल को ज्ञापन भेजा गया है। डॉ. अजय कुमार का कहना है कि विवि में विवि एक्ट की अवहेलना करके विवि कार्यकारिणी परिषद में बाहरी सदस्यों को नामित किया जा रहा है। विवि में 4 जुलाई 2024 व 22 मार्च 2025 को हुई कार्यकारिणी परिषद की बैठक में सरकार के नियमों की अवहेलना करके मनमर्जी से फैसले लिए गए हैं। आनंद कुमार के अनुसार विवि में विवि एक्ट की अवहेलना सहन नहीं होगी।

- मुरथल विवि में विवि एक्ट के उलंघन का आरोप, कमेटी गठित कर निष्पक्ष जांच की मांग

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन : 0130-2989288, 9253681010, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2000/- रु. 2500/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन 0130-4012310, 9253681028

बेटियां किसी भी क्षेत्र में बेहतर कर सकती है: विधायक कादियान

यूपीएससी क्वालीफाई करने पर निधि रंगा का विधायक व ग्रामीणों ने किया स्वागत

हरिभूमि न्यूज ⏭ गन्नौर

गांव कैलाना की बेटी निधि रंगा ने यूपीएससी परीक्षा में 978वीं रैंक हासिल कर गांव का नाम रोशन किया। गांव पहुंचने पर ग्रामीणों ने ढोल बजाकर और मिठाई बांटकर जोरदार स्वागत किया। सरकारी स्कूल परिसर में आयोजित सम्मान समारोह में बतौर मुख्यातिथि हलका विधायक देवेंद्र कादियान ने निधि रंगा को माला पहनाई और पगड़ी पहनाकर सम्मानित किया। विधायक ने निधि की उपलब्धि पर बधाई दी और कहा कि बेटियां किसी भी क्षेत्र में बेहतर कर सकती हैं। समारोह में गांव के लोगों ने निधि के साथ उसके माता-पिता का भी स्वागत किया। निधि के पिता रघबीर रंगा, मां राजवंती का भी ग्रामीणों ने स्वागत किया । निधि और उसका परिवार फिलहाल सोनीपत के देव नगर में रहते हैं। निधि ने समारोह में अपनी सफलता की कहानी साझा की। बताया कि 12वीं के बाद परिवार से देश सेवा की प्रेरणा मिली। लक्ष्य बनाकर मेहनत की तो यूपीएससी में सफलता मिली। निधि ने युवाओं को संदेश दिया कि मेहनत कभी बेकार नहीं जाती, सफलता जरूर मिलती है। विधायक देवेंद्र कादियान ने कहा कि गांव की मिट्टी से निकलकर बेटियों ने साबित किया है कि शिक्षा और खेल में भी वे आगे बढ़ सकती हैं। निधि ने सामान्य आर्थिक स्थिति के बावजूद देश की सबसे बड़ी परीक्षा पास कर क्षेत्र का नाम रोशन किया। उनकी सफलता कठिन परिश्रम, दृढ़ संकल्प और आत्मविश्वास का परिणाम है। समारोह में गांव के ही पूर्व जिला पार्षद राकेश फोगाट, सरपंच प्रतिनिधि रघबीर, हवासिंह, पूर्व सरपंच वीरेंद्र फोगाट, बलजीत, विजय, मंगल पांडे, लज्जा, रामचंद्र, रमेश, बनी सिंह, सतवंत, बीर सिंह, डॉ. जयकंवार, कुलदीप और धर्मराज मौजूद रहे।

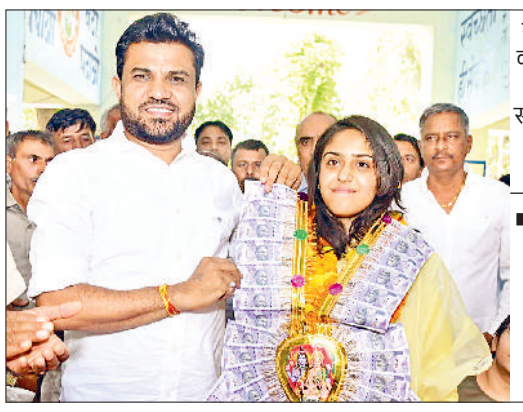

गन्नौर। कैलाना की बेटी निधि रंगा का ग्रामीणों के साथ स्वागत करते विधायक देवेंद्र कादियान ।

- लोगों ने निधि के साथ उसके माता-पिता का भी स्वागत किया

PARAS INSTITUTE OF COMMERCE PVT. LTD. CA
PIONEER INSTITUTE FOR CA COACHING SINCE 1995
ADMISSION OPEN for NTT
नर्सरी टीचर ट्रेनिंग
B.Ed. & D.L.Ed.
NEAR CITY MALL, SONIPAT
Call : 9149112716, 7015755714